

सुरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद
दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा
ट्रस्ट, तपोवन आश्रम



स्व. पं. पू. 1008 श्री रामानंद जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूत

वर्ष-10 अंक: 22 ता. 16 जुलाई 2021, शुक्रवार कार्यालय: 114, न्यू प्रिचंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com



/Suratbhumi.com



/Suratbhumi



/Suratbhumi



/Suratbhumi



/Suratbhumi

दिल्ली-यूपी समेत कई राज्यों में अगले 5 दिनों तक बरसोंगे बादल, राजस्थान में गिर सकती है बिजली

नई दिल्ली। दिल्ली-पनसीआर में देरी से ही सही पर बारिश आने के बाद मौसम खुशनुमा हो गया है। मौसम विभाग ने कहा है कि आने वाले 4-5 दिन दिल्ली में हल्कि तो वहीं, हिमाचल, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भारी से बहुत बारिश देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग की मानें तो पंजाब और हरियाणा के अलग-अलग इलाकों में हल्की से तेज बारिश हो सकती है। वहीं राजस्थान के कुछ जिलों में बादल गरजने के साथ बिजली गिरने का अनुमान लगाया गया है। वहीं, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी भारी बारिश होने का अनुमान लगाया गया है। मध्य महाराष्ट्र और गोवा के लिए बुधवार को रेड अलर्ट जारी किया गया था।

दिल्ली में छह दिनों तक बारिश मानसून की पहली झमाझम बरसात में बुधवार को दिल्ली के ज्यादातर हिस्से भीग गए। इसके चलते दिल्ली के लोगों को गर्मी और उमस से खासी राहत मिली है। राजधानी के रिज मौसम केंद्र ने दिन के समय 107.4 मिलीमीटर बरसात रिकॉर्ड की, जो दिल्ली में सबसे ज्यादा रही। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले छह दिनों कर दिल्ली में हल्की बारिश हो सकती है। गुरुवार के कुछ इलाकों में हल्कि बारिश देखने को मिलेगी जबकि, शुक्रवार को बारिश की गतिविधि कम रहेगी। कहीं-कहीं ही हल्की बुदाबादी होने की संभावना है। शनिवार को हल्की बारिश के आसार हैं, जबकि रविवार के दिन मध्यम व भारी बारिश की संभावना जताई गई है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के कई इलाकों में आज बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा है कि यहां गुरुवार से मौसम बदल सकता है। राज्य के कुछ इलाकों में बादल छाप रहे तो कुछ इलाकों में हल्कि बारिश देखने को मिलेगी। लेकिन हरनपुर, मेरठ, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत, बलिया, लखीमपुर खीरी समेत कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

काशी में पीएम नरेंद्र मोदी के भाषण से साफ

यूपी में योगी आदित्यनाथ ही चेहरा, कहा-अभूतपूर्व संकट से बचाया

वाराणसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र काशी को 1,583 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात दी है। इसके साथ ही उन्होंने बीएचयू ग्रांट्स में लोगों को संबोधित करते हुए राज्य के सीएम योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ की है। बीते दिनों राज्य में नेतृत्व परिवर्तन और बड़े फेरबदल जैसी चर्चाओं को इसके जरिए उन्होंने खारिज किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ को कर्मठ और लोकप्रिय नेता बताते हुए उन्होंने कोरोना संकट से निपटने में योगी सरकार के काम की तारीफ की है। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में कहा कि यूपी के लिए पहले भी योजनाएं तैयार होती थीं, लेकिन 2017 से पहले लखनऊ से रोड़ा लग जाता था। सीएम योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री खुद

हर काम को संभालते हैं। वह हर काम पर बारीकी से नजर रखते हैं और काशी से लेकर पूरे प्रदेश में हो रहे कामों की निजी तौर पर निगरानी करते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि योगी सरकार में माफिया राज और गुंडा राज खत्म हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि आज बहन बेटियों की तरफ नजर उठाने वालों को पता है कि वह कानून से बच नहीं पाएंगे। आज यूपी में सरकार भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद से नहीं बल्कि विकासवाद से चल रही है। इसलिए आज यूपी में जनता की योजनाओं का लाभ सीधे तौर पर जनता को मिल रहा है। पीएम मोदी ने कहा, 90 यूपी ने जिस तरह से कोरोना की दूसरी लहर को फैलने से रोका है, वह अभूतपूर्व है। पीएम मोदी ने कहा कि यूपी के लोगों ने वह दौर भी देखा है, जब दिमागी बुखार



और इंसेफलाइटिस जैसी बीमारी से यहां कितनी मुश्किलें आती थीं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश की पूर्व की गैर-भाजपा सरकारों पर भी इशारों में हमला बोला। उन्होंने कहा, यहां इच्छा शक्ति और स्वास्थ्य ढांचे के

अभाव में छोटे-छोटे संकट भी विकराल हो जाते थे। यह तो बीते 100 सालों में दुनिया पर आई सबसे बड़ी आफत और महामारी है। इसलिए कोरोना से निपटने में उत्तर प्रदेश के प्रयास उल्लेखनीय हैं। मैं यूपी में कोरोना वॉरियर्स और इस संकट

से निपटने वाली पूरी टीम का आभारी हूँ। आप लोगों ने जिस तरह से दिन रात जुटकर काशी में व्यवस्थाएं खड़ी कीं, वह बहुत बड़ी सेवा है। मुझे याद है कि आधी रात में भी जब मैं यहां व्यवस्था से जुड़े लोगों को फोन करता था तो वह मोर्चे पर तैनात मिलते थे। कठिन समय था, लेकिन आपने प्रयासों में कोई कमी नहीं छोड़ी।

पीएम बोले, देश में सबसे ज्यादा टेस्टिंग करने वाला राज्य है उत्तर प्रदेश-पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप सभी के ऐसे ही कामों का नतीजा है कि यूपी में आज हालात फिर संभलने लगे हैं। आज यूपी कोरोना की सबसे ज्यादा टेस्टिंग करने वाला राज्य है। आज उत्तर प्रदेश पूरे देश में सबसे ज्यादा वैकसीन लगाने वाला राज्य है। उन्होंने कहा कि सभी को मुफ्त वैकसीन के अभियान के

माध्यम से कोरोना का खाला किया जा रहा है। साफ-सफाई और स्वास्थ्य से जुड़ा जो इन्फ्रास्ट्रक्चर यूपी में तैयार हो रहा है, वह भविष्य में भी बीमारियों से लड़ने में मदद करने वाले हैं।

'यूपी में 4 साल में चार गुना हो गए मेडिकल कॉलेज'-यूपी में गांवों से लेकर मेडिकल कॉलेजों तक की स्थापना हो रही है। 4 साल पहले यूपी में दर्जन भर मेडिकल कॉलेज थे और अब उनकी संख्या 4 गुना हो गई है। अभी यूपी में करीब 550 ऑफिसीजन प्लांट्स को बनाने का काम भी तेजी से चल रहा है। जिन बीमारियों के इलाज के लिए अभी दिल्ली और मुंबई जाना पड़ता था, आज वे सभी सुविधाएं काशी में मौजूद हैं। आज महिलाओं और बच्चों की चिकित्सा से जुड़े अस्पताल काशी को मिल रहे हैं।

इलाज के लिए एंटीगुआ व बरबूडा पहुंचा मेहुल चोकसी

डॉमिनिका की अदालत ने सशर्त दी है जमानत

नई दिल्ली। भगोड़ा हीरा व्यापार मेहुल चोकसी फिर से एंटीगुआ व बरबूडा पहुंच गया। यहां उसे अपने डॉक्टर से मिलकर इलाज कराना है और फिर वापस डॉमिनिका लौटना है। भारतीय बैंकों से हजारों करोड़ रुपये का घोटाला करके भागे व्यापारी मेहुल चोकसी को जमानत मिलने के साथ ही भारत वापस लाने के लिए प्रत्यर्पण की सुनवाई टल गई है। एंटीगुआ में चोकसी का होगा इलाज-चोकसी ने अपनी अस्वस्थता को लेकर कोर्ट में याचिका दायर की थी और इसके इलाज के लिए एंटीगुआ में अपने फिजिशियन से बात भी किया था। इसके बाद ही डॉमिनिका की अदालत ने सशर्त जमानत दी और कहा कि चोकसी एंटीगुआ में जहां भी रहेगा उसका पूरा पता देगा। इलाज के बाद वापस उसे डॉमिनिका वापस लौटना होगा। बता दें कि चोकसी खुद को एंटीगुआ का नागरिक बताता है और एंटीगुआ के साथ भारत की प्रत्यर्पण को लेकर संधि नहीं है। हालांकि भारतीय एजेंसियों के अनुसार भारत की नागरिकता चोकसी के लिए अब भी है

इसे उसने नहीं छोड़ा था इसलिए वह एंटीगुआ का नागरिक नहीं है।

23 मई को अचानक हुआ था लापता जमानत की राशि जमा करने के बाद चोकसी एंटीगुआ के लिए रवाना हुआ। कोर्ट में दायर याचिका के साथ उसने अपनी मेडिकल रिपोर्ट को भी संलग्न किया था। इसमें उसका सीटी स्कैन भी था। इसका इलाज फिलहाल डॉमिनिका में उपलब्ध नहीं है इसलिए ही चोकसी को एंटीगुआ जाने की इजाजत दी गई। भारत के बैंकों में 13,500 रुपये का घोटाला करने में वांटेड चोकसी 23 मई को अचानक एंटीगुआ से लापता हो गया था।

2018 में भारत से हुआ था फरार-भारत से भागकर चोकसी ने 2018 में यहाँ शरण ली थी। स्वास्थ्य मीडिया के अनुसार अवैध प्रवेश के जुर्म में चोकसी को डॉमिनिका में 51 दिनों की हिरासत में रहना पड़ा जिसके लिए उसके वकील ने अपहरण का मामला बताया था। 62 वर्षीय चोकसी को डॉमिनिका की अदालत ने जमानत दे दी है।

डब्ल्यूएचओ का दावा

कोरोना का डेल्टा स्वरूप 104 देशों में फैला, पूरी दुनिया पर हो सकता है हावी

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कोरोना का नया स्वरूप डेल्टा दुनिया भर में तेजी से फैल रहा है। इसके चलते उन्होंने दुनिया के तमाम देशों को आगाह करते हुए कहा कि 104 देशों तक पहुंचने वाला डेल्टा वैरिएंट जल्द ही पूरी दुनिया में कोरोना के स्वरूपों में सबसे अधिक ह्रावी हो सकता है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस एडहेनोम गेबरेयेसस ने कहा कि पिछला सप्ताह ऐसा चौथा सप्ताह था, जब दुनिया भर के मामले बढ़ने का सिलसिला लगातार जारी रहा। डब्ल्यूएचओ के छह क्षेत्रों में से एक को छोड़कर अन्य सभी में मामले बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि 10 सप्ताह तक संक्रमण के मामलों में कमी आने के बाद इस तरह मामले बढ़ने से चिंता बढ़ गई है। संगठन के महानिदेशक ने कहा कि कोरोना का नया स्वरूप डेल्टा वैरिएंट दुनिया भर में तेजी से फैल रहा है, जिससे संक्रमण के मामले और उससे जान गंवने



वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। खासतौर पर ये वैरिएंट उन लोगों को संक्रमित कर रहा है, जिन्होंने टीका नहीं लिया है। इस वजह से स्वास्थ्य ढांचे पर दबाव बढ़ रहा है। वहीं, जिन देशों में टीकाकरण की दर बेहद कम है, वहां हालात और भी खराब हैं। उन्होंने इस बात की भी चेतावनी दी कि डेल्टा वैरिएंट अधिक संक्रामक है, इसलिए इससे बचना बेहद जरूरी है। कोरोना वायरस के नए रूप की चपेट में

आने से बचने के लिए वैज्ञानिक कह चुके हैं कि सभी को जल्द से जल्द टीका लगवाना होगा। वैज्ञानिकों ने ये भी स्पष्ट किया है कि टीका लगवाने वाले लोगों को भी संक्रमण हो सकता है लेकिन उनकी सेहत को नुकसान होने की संभावना उन लोगों की तुलना में कम है जो बिना टीके के संक्रमित होंगे। अमेरिका में डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित होने वालों की दर 70 से 80 फीसदी है। अमेरिका के ब्राउन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के डॉन डॉ. आशीष झा का कहना है कि अमेरिका में कोरोना संक्रमण के अधिक मामले उन क्षेत्रों में कम देखने को मिल रहे हैं जहां टीकाकरण की दर कम है या जहां लोग टीका लगवाने में संकोच कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका के कुछ हिस्सों में टीकाकरण की रफ्तार धीमी है। ऐसे ही क्षेत्रों में संक्रमण के मामले अधिक दिख रहे हैं, खासतौर से लोग डेल्टा वैरिएंट की चपेट में आ रहे हैं।

ऊर्जा मंत्री से बॉम्बे हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

निजी यात्राओं के लिए चार्टर्ड प्लेन इस्तेमाल करने का आरोप

मुंबई। महाराष्ट्र के ऊर्जा मंत्री नितिन राजत की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने नितिन राजत को 14 दिन के भीतर जवाब देने को निर्देश दिया है। नितिन राजत पर आरोप है कि उन्होंने निजी यात्रा के लिए राज्य की बिजली कंपनियों के 40 लाख रुपये खर्च किए। भाजपा नेता विश्वास पाटक की याचिका पर हाईकोर्ट ने 28 जुलाई तक जवाब मांगा है। भाजपा नेता विश्वास पाटक ने याचिका में आरोप लगाया है कि



प्रशासनिक कार्यों की आड़ में नितिन राजत ने निजी यात्राएं पूरी की है। हालांकि, राजत ने आरोपों से इनकार किया है।

● महाराष्ट्र के ऊर्जा मंत्री नितिन राजत के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। कोर्ट ने 28 जुलाई से पहले जवाब देने को कहा है। राजत पर आरोप है कि निजी यात्रा के लिए उन्होंने बिजली कंपनियों से पैसे वसूल हैं।

अमेरिका फाइजर, मॉडर्ना वैक्सीन भेजने के लिए तैयार... पर भारत सरकार से नहीं मिली मंजूरी

नई दिल्ली। नए आईटी नियमों का पालन न करने को लेकर भारत सरकार के साथ जारी टकराव के बीच टिवटर एक नई रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल जुलाई से दिसंबर के बीच सरकार की ओर से अकाउंट्स से जुड़ी जानकारी के लिए टिवटर को भारत में सबसे ज्यादा अनुरोध मिले। दुनियाभर में किए गए इस तरह के अनुरोधों में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है। महकरो ब्लागिंग साइट ने यह जानकारी दी। टिवटर ने अपनी ट्रांसपैरेंसी रिपोर्ट वाले ब्लाग में कहा कि भारत कोर्टों को हटाने की कानूनी मांगों की संख्या के लिहाज से भी जापान के बाद दूसरे स्थान पर है। कंपनी इस तरह के अनुरोधों की



जानकारी देने के लिए साल में दो बार रिपोर्ट जारी करती है। टिवटर ने अपने नए ब्लाग में कहा कि उसने दुनियाभर की

● टिवटर ने बताया कि सामग्री को हटाने की कानूनी मांगों की संख्या से लिहाज से शीर्ष पांच देशों में क्रमशः जापान, भारत, रूस, तुर्की और दक्षिण कोरिया आते हैं। बता दें कि भारत सरकार से जारी टकराव के बीच टिवटर को दिल्ली हाईकोर्ट ने नए नियमों का पालन करने के सख्त निर्देश दिए थे।

कंपनी ने कहा कि सरकार की ओर से सूचना के अनुरोधों का भारत सबसे बड़ा स्रोत है और दुनियाभर से मिले अनुरोधों में उसकी हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है। इसके बाद अमेरिका का स्थान है जिसकी हिस्सेदारी 22 प्रतिशत है। टिवटर ने बताया कि सामग्री को हटाने की कानूनी मांगों की संख्या से लिहाज से शीर्ष पांच देशों में क्रमशः जापान, भारत, रूस, तुर्की और दक्षिण कोरिया आते हैं। बता दें कि भारत सरकार से जारी टकराव के बीच टिवटर को दिल्ली हाईकोर्ट ने नए नियमों का पालन करने के सख्त निर्देश दिए थे। इसके बाद टिवटर ने विनय प्रकाश को भारत में अपना शिकायत अधिकारी नियुक्त किया था।

पुलवामा मुठभेड़: सुरक्षाबलों को मिली बड़ी सफलता, लश्कर-ए-तैयबा कमांडर अबू हरैरा समेत तीन आतंकी ढेर

जम्मू। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में आतंकीयों और सुरक्षा बलों के बीच देर रात शुरू हुई मुठभेड़ में अब तक तीन आतंकीयों को मार गिराया गया है। आईजीपी कश्मीर ने बताया कि मारे गए आतंकीयों में से एक लश्कर-ए-तैयबा का पाकिस्तानी कमांडर एजाज उर्फ अबू हरैरा है। इसके साथ ही दो स्थानीय आतंकीयों को भी मार गिराया गया है। मारे गए आतंकीयों के पास से दो एके-47 राइफल और एक पिस्टल बरामद हुआ है। बता दें कि न्यू कॉलोनी, पुलवामा में आतंकीयों की मौजूदगी की सूचना पर रात करीब 12:00 बजे सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था। सुबह 4:00

बजे आतंकीयों की ओर से पहली गोली चलाई गई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला। आतंकीयों ने अंधेरे का फायदा उठाकर भागने की कोशिश की। सतर्क जवानों ने तुरंत जवाबी फायरिंग की। इसके बाद आतंकी एक घर में जा चुसे। सुरक्षाबलों ने कई बार आत्मसमर्पण का मौका दिया। लेकिन लेकिन आतंकीयों अंधाधुंध फायरिंग करते रहे। आठ घंटे के ऑपरेशन में, पाकिस्तानी आतंकी एजाज उर्फ अबू हरैरा और दो स्थानीय आतंकी मारे गए। पुलिस के अनुसार ये कुख्यात आतंकीयों कई राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल थे। रेल सेवा शुरू किए जाने की पूर्व संख्या पर बड़ी आतंकी साजिश नाकाम



जम्मू-श्रीनगर हाइवे पर दक्षिणी कश्मीर के कुलगाम जिले के काजीगुंड मोरबाजार इलाके में दमजान रेलवे ट्रैक के पास मंगलवार की शाम आतंकीयों की ओर से प्लांट आईईडी बरामद की गई। बनिहाल से बारमुला के बीच बुधवार से पूरी तरह रेल सेवा शुरू किए जाने से बड़ी आतंकी साजिश नाकाम हो गई है। पुलिस ने बताया कि शाम को रेलवे ट्रैक के पास आईईडी देखी गई। इस पर तत्काल बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। दस्ते ने आईईडी को कब्जे में लेकर उसे निष्क्रिय किया। इस दौरान आस-पास के इलाकों में आवागमन रोक दिया गया था। सुरक्षा बलों ने

तलाशी अभियान भी चलाया, लेकिन आतंकीयों का कोई सुराग हाथ नहीं लगा। इससे पहले पिछले सप्ताह हुई मुठभेड़ में छह आतंकी ढेर कर दिए गए थे। सुदरबनी में दो पाकिस्तानी आतंकीयों समेत प्रदेश में गुरुवार को सुरक्षाबलों ने छह दहशतगर्द ढेर कर दिए गए थे। एलओसी से सटे राजोरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर में सेना ने घुसपैठ को नाकाम करते दो पाकिस्तानी आतंकीयों को मार गिराया। मुठभेड़ में नायब सुबेदार समेत दो जवान भी शहीद हो गए, जबकि एक जवान घायल हो गया। सुंदरबनी के अलावा कश्मीर के पुलवामा और कुलगाम में भी दो-दो आतंकी मारे गए।



सार समाचार

श्रीधरन पिल्लई ने ली गोवा के राज्यपाल के रूप में शपथ

पुणजी। मिजोरम के पूर्व राज्यपाल पी.एस. श्रीधरन पिल्लई ने गुरुवार को गोवा के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली। केरल में भारतीय जनता पार्टी इकाई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पिल्लई को बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश दीपाकर दत्ता ने पद की शपथ दिलाई। गोवा लगभग एक साल से पूर्ण राज्यपाल के बिना था, महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी अगस्त 2020 से राज्य का प्रभार संभाल रहे थे।

दिल्ली पुलिस ने हबीबुर रहमान को किया गिरफ्तार, पाक को भेजता था भारतीय सेना की अहम जानकारियां

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पोखरण में सेना के आधार शिविर में सज्जियों की आपूर्ति करने वाले 34 वर्षीय शख्स को गिरफ्तार किया है। बता दें कि 34 वर्षीय शख्स पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को जानकारी मुहैया कराने का आरोप है। इस संबंध में दिल्ली पुलिस की स्पेशल फ़ाइल ब्रांच के अधिकारी प्रवीर रंजन का बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि फ़ाइल ब्रांच ने एसे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जो सेना के दस्तावेजों को दूसरे देशों को जानसूरी के जरिए भेज रहे थे। राजस्थान के पोखरण में फ़ाइल ब्रांच ने 41 वर्षीय हबीबुर रहमान के घर छापा मारा और वहां सुरक्षा से जुड़े दस्तावेज मिले। उन्होंने कहा कि हमने हबीबुर को गिरफ्तार किया। हबीबुर भारतीय सेना में सल्लाई कोर्टवेटर है। हबीबुर ने पूछताछ में बताया कि सेना का एक जवान परमजीत आगरा में तैनात था वह उससे मिला हुआ था। हबीबुर ने परमजीत को सुरक्षा से जुड़े गुप्त दस्तावेज देने की बात कही।

पर्यटन के नाम पर हुड़ंग और कोरोना बाहक बनकर घूमने वालों पर हो कार्यवाही: कांग्रेस

धर्मशाला। प्रदेश में आए दिन पर्यटन के नाम पर हुड़ंगबाजी हो रही है तालवारे भांजी जा रही है स्थानीय लोगों के साथ मारपीट की जा रही है यह पर्यटन के नाम पर प्रदेश के शांत माहौल को खराब किया जा रहा है ऐसे तत्वों पर कड़ी कार्यवाही करने की आवश्यकता है सरकार इस बारे में कड़े कदम उठाए यह मांग प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता दीपक शर्मा ने आज जारी मीडिया बयान में प्रदेश सरकार के समक्ष रखी उन्होंने कहा कि हर रोज कुछ असांज्जिक तत्व पर्यटकों के नाम पर मारपीट, हो हत्या कर रहे हैं। इससे न केवल स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है बल्कि प्रदेश का पर्यटन उद्योग भी बदनाम हो रहा है प्रदेश से बाहर हिमाचल के बारे में गलत संदेश जा रहा है यह दुर्भाग्यपूर्ण है सरकार ऐसे असांज्जिक तत्वों पर कड़ी कार्यवाही करके उनको सबक सिखाए कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि ऐसी सूचनाएं आ रही हैं कि कुछ लोग कोरोना बाहक बन कर घूम रहे हैं।

दिल्ली में सोनिया गांधी से मिले कमलनाथ, कांग्रेस में दिग्गज नेता को मिल सकती है 'बड़ी भूमिका'

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने बुधवार को पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार सोनिया के आवास 10 जनपथ पर हुई इस मुलाकात के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्र भी मौजूद थीं। सूत्रों का कहना है कि इस मुलाकात के दौरान कांग्रेस और मौजूदा राजनीति से जुड़े घटनाक्रमों को लेकर चर्चा हुई है। इस बीच, चर्चा है कि कांग्रेस संगठन में संभावित बदलाव में कमलनाथ को भी कोई महत्वपूर्ण भूमिका दी जा सकती है, हालांकि पार्टी की ओर से इस बारे में आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। कमलनाथ ने सोनिया से ऐसे समय मुलाकात की है जब पार्टी की पंजाब इकाई में कलह को दूर करने के लिए कवायद तेज हो गई है और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने पिछले दिनों पार्टी आलाकमान के साथ लंबी बैठक की।

केजरीवाल का मिशन उत्तराखंड ! सुंदरलाल बहुगुणा को भारत रत्न दिए जाने की मांग की

नई दिल्ली। उत्तराखंड में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर दिल्ली की सत्ताकेंद्र आम आदमी पार्टी पूरी ताकत लगा रही है। इन सबके बीच मिशन उत्तराखंड को लेकर अरविंद केजरीवाल लगातार सक्रिय हैं। अरविंद केजरीवाल ने आज सुंदरलाल बहुगुणा को भारत रत्न दिए जाने की मांग कर दी। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि सुंदरलाल बहुगुणा की याद में आज दिल्ली विधानसभा में उनके स्मारक का अनावरण किया गया। सुंदरलाल बहुगुणा ने पर्यावरण के लिए काम किया। इस अवसर पर हम केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री से निवेदन करते हैं कि सुंदरलाल बहुगुणा को भारत रत्न दिया जाए। वहीं केजरीवाल ने उत्तराखंड सरकार द्वारा कांडा यात्रा के रद्द किए जाने और उत्तर प्रदेश सरकार शुरू करने पर कड़ा धरती है। इस वक्त कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए जो भी कदम उठाने की जरूरत है, सभी सरकारों को वह कदम उठाने चाहिए। इससे पहले केजरीवाल ने ट्वीट किया था कि उत्तराखंड बिजली का उत्पादन करता है और इसे अन्य राज्यों को बेचना भी है। फिर, उत्तराखंड के लोगों के लिए बिजली इतनी महंगी क्यों है? दिल्ली अपने बूटे बिजली नहीं पैदा करती है और दूसरे राज्यों से खरीदती है, बावजूद इसके दिल्ली में बिजली मुफ्त है। उत्तराखंड के लोगों को मुफ्त में बिजली नहीं मिलनी चाहिए?



सुंदरलाल बहुगुणा को भारत रत्न दिए जाने की मांग कर दी। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि सुंदरलाल बहुगुणा की याद में आज दिल्ली विधानसभा में उनके स्मारक का अनावरण किया गया। सुंदरलाल बहुगुणा ने पर्यावरण के लिए काम किया। इस अवसर पर हम केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री से निवेदन करते हैं कि सुंदरलाल बहुगुणा को भारत रत्न दिया जाए। वहीं केजरीवाल ने उत्तराखंड सरकार द्वारा कांडा यात्रा के रद्द किए जाने और उत्तर प्रदेश सरकार शुरू करने पर कड़ा धरती है। इस वक्त कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए जो भी कदम उठाने की जरूरत है, सभी सरकारों को वह कदम उठाने चाहिए। इससे पहले केजरीवाल ने ट्वीट किया था कि उत्तराखंड बिजली का उत्पादन करता है और इसे अन्य राज्यों को बेचना भी है। फिर, उत्तराखंड के लोगों के लिए बिजली इतनी महंगी क्यों है? दिल्ली अपने बूटे बिजली नहीं पैदा करती है और दूसरे राज्यों से खरीदती है, बावजूद इसके दिल्ली में बिजली मुफ्त है। उत्तराखंड के लोगों को मुफ्त में बिजली नहीं मिलनी चाहिए?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल, हर गांव तक पहुंचने का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 साल पूरे हो रहे हैं। देश के लगभग हर इलाके में संघ अपनी पहुंच बना चुका है। हालांकि कुछ ऐसे इलाके भी हैं जहां पर पहुंच बनाने की कोशिश जारी है। इसी को लेकर चित्रकूट में हुई संघ प्रचारकों की बैठक में चर्चा की गई। 100 साल पूरे होने पर संघ की कोशिश है कि वह देश के हर मंडल तक अपने काम को पहुंचा सके। संघ के मुताबिक कोरोना संकट की वजह से शाखाएं बढ़ाने के काम की रफ्तार में कमी आई है। लेकिन आने वाले दिनों में इसमें तेजी लाने की कोशिश की जाएगी। अपने कामकाज के हिसाब से संघ ने 10 गांवों को मिलाकर एक मंडल बनाया है। ऐसे में संघ हर गांव में पहुंचने की कोशिश कर रहा है।



संघ के हिसाब से देश भर में 58550 मंडल हैं जिनमें से करीब 34000 मंडलों में संघ किसी ना किसी रूप में सक्रिय है। यही कारण है कि संघ की ओर से 2025 तक हर मंडल में पहुंचने की कोशिश की जा रही है। संघ के मुताबिक हर गांव में उनका पहुंचना लक्ष्य है। संघ के अनुसार वह समाज में परिवर्तन लाने के लिए लगातार काम करता है लेकिन उसमें वक्त लगेगा। पर जहां जहां संघ पहुंच चुका है वहां बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। लोकडउन की वजह से पहले देश भर में जितनी शाखाएं लगती थी उसमें कमी आई है। लेकिन अब उसे एक बार फिर से शुरू करने की कोशिश की जा रही है। कई शाखाओं को वृद्धि चलाया जा रहा है। लोकडउन के दौरान संघ ने देश भर में कुटुंब

मिलन भी शुरू किया है। पश्चिम बंगाल में संघ अपनी सक्रियता को बढ़ाने की दिशा में बढ़ सकता है। संघ अभी उन जगहों पर अपने काम को पहुंचाने की ज्यादा कोशिश कर रहा है जहां वह अभी कम पहुंच बना सका है। संघ दक्षिण भारत और पूर्वी भारत में अपने काम को लेकर लगातार सक्रिय है।

दिग्विजय बोले- गरीबी मिटाओगे तो अपने आप जनसंख्या नियंत्रित हो जाएगी



भोपाल। (एजेंसी)।

देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर बहस जारी है। उत्तर प्रदेश और असम सरकार ने तो जनसंख्या नियंत्रण को लेकर कई तरह के कानूनों की पेश की है। इन सबके बीच आरोग्य-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। इसी को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बड़ा बयान दिया है। दिग्विजय सिंह ने गरीबी को जनसंख्या वृद्धि का सबसे बड़ा कारण बताया है।

न्यू एजेंसी के मुताबिक दिग्विजय सिंह ने कहा कि पढ़े लिखे लोगों के 2-3 से ज्यादा बच्चे कहां होते हैं। गरीबी इसका मुख्य कारण है, गरीबी मिटाओगे तो अपने आप जनसंख्या नियंत्रित हो जाएगी। मैंने तो 2000 में ही ये नीति बना दी थी, इन्हें तो 21 साल बाद समझ आ रही है। इससे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण सिर्फ कानून बनाकर नहीं बल्कि महिलाओं को पूरी तरह शिक्षित करके ही किया जा सकता है, शिक्षा ही प्रजनन दर को कम करने में सक्षम है।

मुख्यमंत्री योगी बोले, विकास का मॉडल बन चुकी है नई काशी

वाराणसी (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 1500 करोड़ की परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काशी ने दुनिया में अपनी नई पहचान बनाई है। वाराणसी के विकास की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की काशी देश और दुनिया के लिए विकास का नया मॉडल बन चुकी है।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विकास योजनाओं के लोकार्पण कार्यक्रम के मंच से योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन और नेतृत्व में काशी नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 16 महीनों से देश कोरोना महामारी की चपेट में है, लेकिन इस मुश्किल दौर में जो नेतृत्व और मार्गदर्शन प्रधानमंत्री मोदी ने देश को दिया है, वह अद्भुत है।

वाराणसी में हुए विकास कार्यों और योजनाओं की चर्चा करते हुए सीएम ने कहा कि काशी के विकास के लिए प्रधानमंत्री सतत प्रयासरत हैं। उनके मार्गदर्शन में आज काशी को 1500 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की सौगात के लिए पूरे प्रदेश वासियों की ओर से धन्यवाद देता हूँ।

उन्होंने कहा कि काशी में इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, पेयजल समेत कई विकास योजनाओं का लोकार्पण आज प्रधानमंत्री के कर कमलों से हो रहा है। उन्होंने कहा कि अपनी सतत प्रयासरत हैं। उनके मार्गदर्शन में आज काशी को 1500 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की सौगात के लिए पूरे प्रदेश वासियों की ओर से धन्यवाद देता हूँ।

2024 लोकसभा की तैयारी में जुटी टीएमसी, दिल्ली में विपक्ष के दिग्गज नेताओं से मिलेंगी ममता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनावी नतीजों के बाद ममता बनर्जी आत्मविश्वास से भरपूर हैं। भले ही उन्हें नंदीग्राम में हार का सामना करना पड़ा लेकिन उनके नेतृत्व में उनकी पार्टी का प्रदर्शन शानदार रहा। पश्चिम बंगाल जीत के बाद अब ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तुणमूल कांग्रेस की निगाहें 2024 के लोकसभा चुनाव पर टिक गई हैं। कई ऐसे लोग हैं जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकल्प के रूप में ममता बनर्जी नजर आती हैं। ऐसे में ममता बनर्जी ने 2024 को ध्यान में रखकर अभी से ही तैयारियों की शुरुआत कर दी है। बताया जा रहा है कि ममता बनर्जी जल्द ही दिल्ली दौर पर आएंगी।



अखिलेश यादव समेत विपक्ष के कई बड़े नेताओं से मुलाकात करेंगी। ममता दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से भी मुलाकात कर सकती हैं। ममता ने उन्हें अपना अच्छे दोस्त बताया था। सूत्रों का दावा है कि ममता बनर्जी के इन मुलाकातों का एजेंडा 2024 में होने वाले आम चुनाव होगा।

ममता बनर्जी के दिल्ली दौर के दौरान ही शत्रुघ्न सिन्हा भी तुणमूल कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं। ममता बनर्जी के साथ उनके भतीजे और सांसद अभिषेक बनर्जी भी रह सकते हैं। हाल में ही उन्हें पार्टी का महासचिव बनाया गया है। अभिषेक बनर्जी पार्टी के विस्तार की योजनाओं पर भी काम करने की शुरुआत कर दी है। पश्चिम बंगाल में बंपर जीत के बाद ममता बनर्जी का यह पहला दिल्ली दौर है।

बीजेपी पर निशाना साधते हुआ मायावती बोलीं, यूपी में भाजपा शासनकाल में भी जंगलराज जारी!

लखनऊ। (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा शासनकाल में भी जंगलराज की अराजकता चल रही है और ये पिछले समाजवादी पार्टी (सपा) के शासनकाल से कुछ भी कम नहीं है। मायावती ने जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लाक प्रमुख चुनाव में भाजपा पर धनबल, बाहुबल व सत्ता के घोर दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए इसे जनतंत्र को शर्मसार करने वाला करार दिया। मायावती ने बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में कहा, "उत्तर प्रदेश में भाजपा शासनकाल में भी जिस प्रकार से हर प्रकार का अपराध बढ़ने से यहां पूरी तरह से जंगलराज की अराजकता

चल रही है वह किसी से भी छिपा नहीं है तथा ये सब पिछले समाजवादी पार्टी (सपा) शासनकाल से कुछ भी कम नहीं है।" उन्होंने कहा "इसी कारण पहले जिला पंचायत अध्यक्ष और फिर ब्लाक प्रमुखों के अप्रत्यक्ष चुनाव में सपा की तरह ही भाजपा ने भी धनबल, बाहुबल व सत्ता के घोर दुरुपयोग सहित अन्य अनेक हथकंडे अपनाकर अधिकतर सीटें जीतने का दावा किया है, जो जनता की बेचैनी बढ़ाने तथा एक बार फिर यहां लोकतंत्र को सही स्थापना के बजाय जनतंत्र को शर्मसार करने वाला है, यह अति-दुःखद, दुर्भाग्यपूर्ण, निन्दनीय व सभी के लिए अति-चिन्ताजनक भी है।" उन्होंने कहा कि सत्ता को जैसे-तैसे तथा किसी भी कीमत पर हथियाने की भ्रूख और

इसी दौरान "सैयान भये कोतवाल अब भय काहे का" की कहावत को चरितार्थ करते हुए उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव के दौरान धनबल तथा पुलिस एवं सरकारी मशीनरी का घोर दुरुपयोग हुआ। साथ ही कहा कि पंचायत चुनाव में इसके साथ-साथ व्यापक धांधली, अपहरण, हत्या व महिलाओं के साथ अपहरण आदि की घटनायें घटित हुई हैं जो लोकतांत्रिक सोच व व्यवस्थाओं को आघात पहुंचाती हैं, उन्हें शर्मसार करती हैं। उन्होंने कहा कि इन सबके बावजूद सरकार द्वारा जीत का दावा व जश्न आहूत जनता के जखम पर नमक छिड़कने जैसा नहीं है तो फिर यह और क्या है? मायावती ने कहा कि वैसे तो उप में पिछले कई वर्षों के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति

खराब ही रही है व पंचायत चुनाव के दौरान भी दबंगों, अपहरण, अराजकता का माहौल आदि स्वाभाविक ही था। उन्होंने कहा कि इसीलिए सरकार की नीति व नीयत को भांपकर ही बसपा ने पहले जिला पंचायत अध्यक्ष और फिर व ब्लाक प्रमुखों के अप्रत्यक्ष चुनाव को नहीं लड़ने का ही फैसला उचित समझा, जो बाद के चुनावी घटनाक्रमों के मद्देनजर बिल्कुल सही फैसला साबित हुआ है। मायावती ने कहा कि बसपा का मतलब है सबको न्याय व सबको सम्मान तथा अन्याय किसी के साथ नहीं। लोगों को यह सब स्मरण रखते हुए ही आगे की तैयारी करनी है। अब चुनाव के समय में लुभावने वादों, धार्मिक भावनाओं व शिलान्यास आदि के बहकावे में नहीं आना है। उन्होंने लोगों से



अपने परिवार, समाज व प्रदेश के व्यापक हित में सही फैसला लेने की अपील की। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में अभी हाल ही जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख के चुनाव हुए हैं, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को भारी सफलता मिली है।

साध्वी प्रज्ञा ने घर पर लगवाया वैक्सीन, कांग्रेस बोली- जनता और नेता में फर्क क्यों?

भोपाल। (एजेंसी)।

राजधानी भोपाल से सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर एक बार फिर विवादों से घिर चुकी हैं। जहां पूरे



देश में लोग वैक्सीन सेंटर जाकर टीका लगवा रहे हैं। वहीं सांसद प्रज्ञा ने मेडिकल टीम को घर बुलाकर की कोरोना वैक्सीन लगवा ली। बताया जा रहा है कि प्रज्ञा ने 14 जुलाई को टीका लगाया था। इसे लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने ट्वीट किया, 'अभी कुछ दिन पूर्व ही बास्केटबॉल खेल रही व खेल की थाप पर

नृत्य कर रही हमारी भोपाल की सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने घर पर टीका बुलाकर वैक्सीन का डोज़ लगवाया? मोदीजी से लेकर शिवराजजी व तमाम भाजपा नेता

अस्पताल में जाकर वैक्सीन लगवाकर आये लेकिन हमारी सांसदजी को यह छूट क्यों व किस आधार पर? आपको बता दें कि प्रज्ञा को अक्सर व्हीलचेयर या सहारे से चलते हुए देखा जाता है। लेकिन 1

जुलाई को उन्हें भोपाल में बास्केटबॉल खेलते देखा गया था। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। इस मुद्दे पर भी कांग्रेस ने तज कसा था। कांग्रेस प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने कहा- अभी तक व्हीलचेयर पर ही देखा था, लेकिन आज उन्हें स्टेडियम में बास्केटबॉल पर हाथ आजमाते देखा तो खुशी हुई।

सार समाचार

सिडनी में लॉकडाउन 20वें दिन भी जारी लॉकडाउन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले शहर सिडनी में देश में इस साल के सबसे बड़े कोविड-19 प्रकोप के बीच गुरुवार को जारी सख्त लॉकडाउन के 20वें दिन में प्रवेश किया। समाचार एजेंसी के मुताबिक गुरुवार को न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य, जिसमें सिडनी राजधानी है, ने 65 नए स्थानीय कोविड - 19 मामले दर्ज किए, जिनमें से 28 समुदाय के भीतर प्रसारित किए गए। कुल मिलाकर, न्यू साउथ वेल्स में 16 जून को प्रकोप शुरू होने के बाद से स्थानीय रूप से अधिग्रहित 929 मामलों दर्ज किए गए हैं। इस बीच, नए प्रकोप पर अंकुश लगाने का कठोर प्रयास एक विवादालय रूप से लंबा रास्ता तय करना है क्योंकि एनएसडब्ल्यू प्रीमियर ग्लेनड बेरिंगेलेन ने बुधवार को घोषणा की कि ग्रेटर सिडनी क्षेत्र (जीएसआर) में कम से कम दो और हफ्तों तक तालाबंदी जारी रहेगी। इसका मतलब यह है कि जीएसआर के भीतर 53 लाख से अधिक लोगों को कम से कम 30 जुलाई तक घर में रहना चाहिए और केवल खरीदारी, चिकित्सा देखभाल या आवश्यक कार्य जैसे सख्त कारणों के लिए अपने सामने के दरवाजे से बाहर निकलना चाहिए। मार्क लगाया अनिवार्य है।

फिलीपींस अब इंडोनेशिया के यात्रियों पर प्रतिबंध लगाएगा

मनीला। फिलीपींस के राष्ट्रपति के प्रवक्ता हेरी रोके ने कहा है कि शुक्रवार से फिलीपींस अत्याधिक संक्रामक डेटा कोविड वैरिएंट के प्रसार को रोकने के लिए इंडोनेशिया के सभी यात्रियों पर 31 जुलाई तक प्रतिबंध लगाएगा। समाचार एजेंसी ने रोके के हवाले से एक बयान में कहा, राष्ट्रपति रॉड्रिगो दुतेर्ते ने फिलीपींस आने से पहले पिछले 14 दिनों के भीतर इंडोनेशिया से आने वाले या इंडोनेशिया की यात्रा से आने वाले सभी यात्रियों के लिए यात्रा प्रतिबंधों को लागू करने की मंजूरी दे दी है। रोके ने कहा है, फिलीपींस में कोविड वैरिएंट के आगे फैलाव और सामुदायिक फैलाव को रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई है। फिलीपींस द्वारा प्रतिबंधित देशों की सूची में इंडोनेशिया को शामिल करने से आठ देशों की सूची आती है। भारत, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात के यात्रियों को भी 31 जुलाई तक देश में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। फिलीपींस ने 19 यात्रियों के लौटने वाले फिलिपिनो से लिए गए सैपल से डेटा वैरिएंट का पता लगाया है।

ईरान 90 प्रतिशत संवर्धित यूरेनियम का उत्पादन करने में सक्षम : रुहानी

तेहरान। निवर्तमान ईरानी राष्ट्रपति हसन रुहानी ने कहा कि देश 90 प्रतिशत शुद्धता वाले समृद्ध यूरेनियम का उत्पादन करने में सक्षम है। समाचार एजेंसी ने बुधवार को एक कैबिनेट बैठक में रुहानी के हवाले से कहा था कि परमाणु प्रौद्योगिकी के शांतिपूर्ण उपयोग को आगे बढ़ाते हुए, ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन ने उच्च डिग्री (शुद्धता) पर समृद्ध यूरेनियम का उत्पादन करने की अपनी क्षमता और शक्ति दिखाई है। उन्होंने कहा, अगर एक दिन में रिपेक्टर के लिए 90 प्रतिशत (समृद्ध यूरेनियम) की आवश्यकता होती है, तो हमें शांतिपूर्ण तरीके से ऐसा करने में कोई समस्या नहीं है। रुहानी ने कहा कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा भी ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम की प्रगति को नहीं रोक सका। अग्रिल में नटानज संवर्धन सुविधा पर एक ब्लैकआउट के बाद, ईरान ने इजराइल पर परमाणु साइट क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाया और घोषणा की कि उसने 60 प्रतिशत शुद्धता से समृद्ध यूरेनियम का उत्पादन शुरू कर दिया है।

कौन है हेती के प्रेसिडेंट का हत्यारा? अब वेनेजुएलाई कारोबारी पर लगा हत्या की साजिश का आरोप

पोर्ट ऑफ हिंस (हेती)। हेती पुलिस प्रमुख ने फ्लोरिडा की एक सुरक्षा कंपनी के मालिक वेनेजुएलाई कारोबारी पर आरोप लगाया है कि वह राष्ट्रपति जेवनेल मोइसे की हत्या की साजिश के रहस्य कई बार हेती आया। हेती के राष्ट्रपति मोइसे की पिछले सप्ताह हत्या कर दी गई थी। हेती की राष्ट्रीय पुलिस के प्रमुख लियोन चार्ल्स ने कहा कि 'सीटीयू सिस्टीमोरिटी' के एटोयिनो इटिआगो ने हेती में एक करार किया, लेकिन उन्होंने कोई और जानकारी नहीं दी तथा किसी सबूत के बाद में नहीं बताया। चार्ल्स ने कहा, 'जांच काफी आगे पहुंच चुकी है।' इस संबंध में इटिआगो से तत्काल बात नहीं हो सकी। कोलंबिया के राष्ट्रपति पुलिस प्रमुख ने कहा कि सीटीयू सिस्टीमोरिटी ने हत्या में कथित रूप से शामिल कोलंबियाई सहयोगियों के लिए बोगोटा से सीटा डोमिंगो तक विमान के 19 टिकट खरीदने के लिए अपनी कंपनी के क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया। चार्ल्स ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन के दौरान हेती नागरिकों से अपील की कि वे फरार संदिग्धों का पता लगाने में अधिकारियों की मदद करें। इन फरार संदिग्धों में एक पूर्व सीनेटर भी शामिल है, जिसे चार्ल्स ने अहम संदिग्ध बताया और वह सात जुलाई को ह्यूस्मले में इस्तेमाल किए गए हथियारों को मुहैया कराने का आरोपी है। संदिग्ध सीनेटर जॉन जोएल जोसफ हेती के जाने माने नेता हैं और मोइसे की टेट काले पार्टी के विरोधी हैं। यूट्यूब पर पिछले साल पोस्ट किए गए वीडियो में जोसफ ने मोइसे की तुलना कोरोना वायरस से की थी और कहा था कि उनके प्रशासन में देशवासी भूख और हिंसा के कारण मारे जा रहे हैं। चार्ल्स ने कहा, 'हम इन हथियारों की तलाश कर रहे हैं और वे जहां कहीं भी हैं, हमें उन्हें पकड़ना होगा, गिरफ्तार करना होगा और उन्हें न्याय के कठमरे में लाना होगा।' पुलिस प्रमुख ने बताया कि 'हेती की आजादी और पुनर्गठन' के लिए 'नेशनल रेवोल्यूशनरी फ्रंट' नामक विद्रोही समूह का नेतृत्व करने वाले गिल्बर्ट ड्रेमन को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्राधिकारियों ने बताया कि उसके घर से कई हथियार बरामद किए गए हैं। इसके अलावा अधिकारियों ने हेती नागरिक रेनाल्डो कोविंगटन को गिरफ्तार किया, जिस पर संदिग्धों को रहने की जगह देने और उनकी मदद करने का आरोप है।

एससीओ मीटिंग में चीन के विदेश मंत्री ने जयशंकर से कहा- एलएसी विवाद का समाधान खोजने के लिए तैयार!

बीजिंग (एजेंसी)।

बीजिंग। भारत ने चीन को स्पष्ट संदेश दिया कि पूर्वी लद्दाख में मौजूदा स्थिति के लंबे समय तक बने रहने के कारण द्विपक्षीय संबंध स्पष्ट रूप से 'नकारात्मक तरीके' से प्रभावित हो रहे हैं, जिसके बाद चीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह उन मामलों का 'आपस में स्वीकार्य समाधान' खोजने के लिए तैयार है, जिन्हें वाता के जरिए 'सुरत सुलझाए' जाने की आवश्यकता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुशान्बे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन के इतर एक घंटे तक चली बैठक के दौरान अपने चीनी समकक्ष वांग यी से कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति में कोई भी एकतरफा बदलाव भारत को स्वीकार्य नहीं है और पूर्वी लद्दाख में शांति को पूर्ण बहाली के बाद ही संबंध समग्र रूप से विकसित हो सकते हैं। ताजिकिस्तान की राजधानी में यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब पूर्वी लद्दाख में टकराव के शेष बिंदुओं पर दोनों सेनाओं के बीच बलों को पीछे हटाने की प्रक्रिया में गतिरोध बना हुआ है। इससे पहले पिछले साल मई के बाद से जारी गतिरोध को सुलझाने के लिए की गई सैन्य एवं राजनीतिक वाताओं के बाद फरवरी में पैगोंग झील क्षेत्रों से दोनों सेनाओं ने अपने हथियार एवं बल पीछे हटा लिए थे।

चीन के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को अपनी वेबसाइट पर जयशंकर और वांग के बीच हुई वार्ता के संबंध में पोस्ट किए गए बयान में बताया कि मंत्री ने कहा कि भारत और चीन के संबंध 'निचले स्तर पर' बने हुए हैं, जबकि गलवान घाटी एवं पैगोंग झील से बलों को वापसी के बाद सीमा पर हालात 'आमतौर पर सुधर' रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद चीन और भारत के संबंध अब भी 'निचले स्तर' पर हैं, जो 'किसी के हित' में नहीं हैं। चीन ने अपने पुराने रुख को दोहराया कि वह अपने देश से लगी भारत की सीमा पर स्थिति के लिए जिम्मेदार नहीं है। वांग ने कहा, 'चीन उन मामलों का आपस में स्वीकार्य समाधान खोजने के लिए तैयार है, जिन्हें भारतीय पक्ष के साथ वार्ता एवं विचार-विमर्श के जरिए तत्काल सुलझाए जाने की आवश्यकता है।' चीन ने गलवान घाटी और पैगोंग त्सो से अपने सैनिकों को पीछे हटा लिया है, लेकिन पूर्वी लद्दाख में हॉट स्पॉट, गोंगार और देपसांग जैसे टकराव के अन्य क्षेत्रों से बलों को हटाने की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। जयशंकर ने वांग के साथ बैठक में स्पष्ट रूप से कहा कि पूर्वी लद्दाख में मौजूदा स्थिति के लंबा खिंचने से द्विपक्षीय संबंधों पर स्पष्ट रूप से 'नकारात्मक असर' पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि फरवरी में पैगोंग झील क्षेत्रों से बलों को पीछे हटाए जाने के बाद से चीनी पक्ष की ओर से स्थिति को सुधारने में कोई प्रगति

नहीं हुई है। जयशंकर ने वांग से कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर यथास्थिति में कोई भी एकतरफा बदलाव भारत को स्वीकार्य नहीं है और पूर्वी लद्दाख में शांति को पूर्ण बहाली के बाद ही संबंध समग्र रूप से विकसित हो सकते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में बताया गया कि वांग ने 'तत्काल समाधान की आवश्यकता वाले मामलों' के आपस में स्वीकार्य समाधान के लिए वार्ता करने पर सहमति जताई और कहा कि दोनों पक्षों को सीमा संबंधी मामलों को द्विपक्षीय संबंधों में उचित स्थान पर रखना चाहिए और द्विपक्षीय सहयोग के सकारात्मक पहलुओं को विस्तार देकर वार्ता के जरिए मतभेदों के समाधान के अनुकूल माहौल पैदा करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'बलों के पीछे हटने के कारण मिली उपलब्धियों को आगे बढ़ाना, दोनों पक्षों के बीच बनी संवर्धिता एवं समझौते का सख्ती से पालन करना, संवेदनशील विवादालय क्षेत्रों में कोई एकतरफा कदम उठाने से बचना और गलतफहमी के कारण पैदा हुए हालात को फिर से पैदा होने से रोकना महत्वपूर्ण है।' वांग ने कहा, 'हमें दीर्घकालिक दुष्प्रभाव अपनाने की आवश्यकता है, हमें आपात प्रबंधन से सामान्य सीमा प्रबंधन एवं नियंत्रण तंत्र में स्थानांतरण की आवश्यकता है और हमें सीमा संबंधी घटनाओं को द्विपक्षीय संबंधों में अनावश्यक व्यवधान पैदा करने से रोकने की



आवश्यकता है।' उन्होंने कहा, 'चीन-भारत संबंधों पर चीन के रणनीतिक रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चीन-भारत संबंध एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं, बल्कि एक-दूसरे के विकास का अवसर होने चाहिए। दोनों देश साझेदार हैं, वे प्रतिद्वंद्वी और दुश्मन नहीं हैं।' वांग ने कहा, 'चीन-भारत संबंधों के सिद्धांत संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति आपसी समान, गैर-आक्रामकता, एक दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना और एक दूसरे के हितों के प्रति आपसी समान पर आधारित होने चाहिए।' उन्होंने कहा कि चीन और भारत के बीच बातचीत के तरीके में सहयोग, पारस्परिक लाभ और पूरकता, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टकराव से बचने पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। वांग ने

कहा कि चीन और भारत आज अपने-अपने क्षेत्रों और बड़े पैमाने पर दुनिया में शांति और समृद्धि के लिए अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने साझा रणनीतिक हितों पर अधिक ध्यान देना चाहिए और दोनों देशों के लोगों को अधिक लाभ पहुंचाना चाहिए। सितंबर 2020 में मास्को में हुई अपनी पिछली बैठक को याद करते हुए जयशंकर ने उस समय हुए समझौते का पालन करने और बलों को वापसी की प्रक्रिया को पूरा करने तथा पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर शेष मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में संवेदनशील क्षेत्र में हर पक्ष के एलएसी के पास लगभग 50,000 से 60,000 सैनिक तैनात हैं।

दक्षिण अफ्रीका में जुलू राजा ने भारतवासियों के खिलाफ हिंसा रोकने की अपील की

जोहानिसबर्ग। जुलू राजा मिसुजुलू काज्वेलिथिनी ने क्राजुलू नटाल प्रांत के लोगों से भारतीय मूल के लोगों के साथ शांति से रहने की अपील की है। दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले 14 लाख भारतवासियों में से एक तिहाई लोग इसी प्रांत में रहते हैं। लगातार छठे दिन बुधवार को हिंसा और लूटपाट की घटनाओं के बाद राजा ने टेलीविजन के जरिए संबोधन में कहा, 'जुलू में स्थानीय लोगों और भारतवासियों के बीच जो कुछ भी हो रहा है, उस तत्काल खत्म करना चाहिए।' सशस्त्र गिरावों ने देश के कई हिस्सों में खासकर इरबन में भारतीय मूल के लोगों की फैक्ट्रियों, दुकानों में तोड़फोड़ की। मिसुजुलू काज्वेलिथिनी ने कहा, 'हमारे भारतीय भाई हमारे पड़ोसी हैं और भारत के बाहर क्राजुलू नटाल में भारतवासियों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी है।' पूर्व राष्ट्रपति जेकब जुमा को जेल की सजा के बाद देश में हिंसा की घटनाएं शुरू हुईं। जुमा भी जुलू मूल के हैं। बाद में यह हिंसा और भड़क गयी और राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने पुलिस और सेना की तैनाती की। देश की शीर्ष अदालत ने जुमा को 15 महीने जेल की सजा सुनायी थी। सरकारी सुरक्षा एजेंसियों और मंत्रियों ने कहा है कि हिंसा और लूटपाट की घटनाओं का जुमा की सजा से कोई जुड़ाव नहीं है बल्कि कुछ गुरु निहित हित के कारण इसमें संलिप्त हैं।

केरी और पुतिन ने जलवायु मुद्दों पर सहयोग करने के महत्व पर जोर दिया

वाशिंगटन (एजेंसी)।

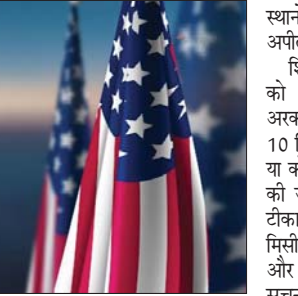
अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया है कि जलवायु के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत जॉन केरी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक फोन कॉल के दौरान जलवायु मुद्दों पर सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। विभाग ने एक बयान में कहा गया कि बुधवार को कॉल के दौरान, केरी ने जोर देकर कहा, अमेरिका और रूस की महत्वपूर्ण भूमिकाएँ हैं, जिसमें इस महत्वपूर्ण दशक में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना, लंबी अवधि में शुद्ध-समाय उत्सर्जन का लक्ष्य, कोयले से उत्सर्जन को समाप्त करना और कर्मियों को रक्षा करना शामिल है। बयान में यह भी कहा गया है कि पुतिन अंतर्राष्ट्रीय जलवायु प्रयासों को फिर से करने की आवश्यकता के बारे में सहमत हुए और अन्य कार्यों के साथ वन क्षेत्र सहित अपने स्वयं के उत्सर्जन को संबोधित करने के लिए रूस का इस बारे में क्या इरादा है, उसकी पुष्टि की। विभाग ने नोट किया कि केरी और पुतिन ने हाल ही में मौसम की घटनाओं और अन्य जलवायु प्रभावों के साथ-साथ कार्य करने की तात्कालिकता को भी पहचाना है। उन्होंने ग्लासगो, यूके में एक सफल सीओपी 26 की दिशा में काम करने के महत्व को भी पुष्टि की, जो 31 अक्टूबर और 12 नवंबर के बीच होने वाला है। क्रैमलिन प्रेस सेवा ने कहा कि पुतिन ने जोर देकर कहा है कि रूस के लिए परिसर समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करना बहुत जरूरी है, इसलिए वह क्षेत्र में एक गैर-राजनीतिक और पेशेवर बातचीत का आवाहन करता है केरी सोमवार को तीन दिवसीय यात्रा पर मास्को पहुंचे थे।



अमेरिका में फिर बढ़ रहा कोरोना का कहर, तीन हफ्तों में दोगुना हुए मामले

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका में कोविड-19 के मामलों में गिरावट के महीनों बाद फिर से वृद्धि देखी जा रही है और पिछले तीन हफ्तों में हर दिन नए मामलों की संख्या दुगुनी हो रही है। इसके पीछे तेजी से फैल रहा डेल्टा स्वरूप, टीकाकरण की कम दर और अमेरिका में स्वतंत्रता दिवस पर एकत्रित हुई भीड़ वजह है। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को एक दिन में संक्रमण के मामलों की संख्या में 23,600 की वृद्धि हुई जबकि 23 जून को यह 11,300 तक थी। दो राज्यों में तथा दक्षिण डकोटा में पिछले दो हफ्तों में संक्रमण के मामले बढ़े हैं। वाशिंगटन विश्वविद्यालय के सेंट लुइस में स्कूल ऑफ मेडिसिन के संक्रामक रोग प्रभाषा के सह-निदेशक डॉ. बिल पाउंडरल्लो ने कहा, 'यह कोई संयोग नहीं है जब स्वतंत्रता दिवस के सप्ताहांत के बाद टीका उसी वक्त हम मामले बढ़ते हुए देख रहे हैं जब हमें ऐसा होने की उम्मीद थी।'



रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के अनुसार, जिन पांच राज्यों में दो हफ्तों में कोरोना वायरस के मामले सबसे अधिक बढ़े हैं वहां टीकाकरण की दर कम है। ये पांच राज्य मिसौरी (45.9 प्रतिशत), अरकंसस (43 प्रतिशत), नेवेडा (50.9 प्रतिशत), लुइसियाना (39.2 प्रतिशत) और उटाह (49.5 प्रतिशत) हैं। संक्रमण के मामले बढ़ने के बीच दिवस के सप्ताहांत के बाद टीका उसी वक्त हम मामले बढ़ते हुए देख रहे हैं जब हमें ऐसा होने की उम्मीद थी।'

स्थानों पर फिर से मास्क पहनने की अपील कर रहे हैं। शिकागो के अधिकारियों ने मंगलवार को एलान किया कि मिसौरी और अरकंसस से आने वाले उन लोगों को 10 दिन के लिए पृथक वास करना होगा या कोविड-19 से संक्रमित न पाए जाने की जांच रिपोर्ट दिखानी होगी, जिन्होंने टीका नहीं लगाया है। इस बीच, मिसौरी में स्वास्थ्य विभाग ने वायरस और टीकों के बारे में 'बढ़ती गति' के कारण अपने फेसबुक पेज पर कोविड-19 के बारे में पोस्ट ब्लॉक करने शुरू कर दिए हैं। मिसौरी में अधिकारियों 65 तथा उससे अधिक आयु के लोगों को घरों के भीतर बड़ी सभाओं से बचने की भी सलाह दे रहे हैं क्योंकि पिछले तीन हफ्तों में अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या 150 फीसदी तक बढ़ी है। लुइसियाना के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि कोरोना वायरस के मामले उन लोगों में ज्यादा बढ़ रहे हैं जैसे स्थानों पर स्वास्थ्य प्राधिकारी टीका लगा चुके लोगों से भी सार्वजनिक

10 दिनों से ब्राजील के राष्ट्रपति की रुक नहीं रही हिचकियां, सर्जरी की जरूरत नहीं!

रियो डी जेनेरियो (एजेंसी)।

ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो को पिछले 10 दिन से लगातार हिचकियां आने के बाद जांच के लिए बुधवार को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों का कहना है कि यह अंतर्दृष्टियों में कुछ परेशानियों की वजह से हो रहा है और इसके लिए सर्जरी करने की जरूरत पड़ सकती है, लेकिन बाद में उन्होंने तत्काल सर्जरी ना करने की बात कही। राष्ट्रपति कार्यालय ने शुरूआती बयान में कहा था कि बोलसोनारो (66) को राजधानी ब्रासीलिया के 'आर्न्ड फॉर्सेस हॉस्पिटल' में भर्ती कराया गया था और 'वह बेहतर महसूस' कर रहे हैं। चिकित्सक उनकी हिचकियों की समस्या का इलाज कर रहे हैं। लेकिन कुछ घंटे बाद एक अन्य बयान में कार्यालय ने कहा कि 2018 में राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान बोलसोनारो के पेट पर वार किए जाने के बाद उनका इलाज करने वाले सर्जन ने उन्हें साओ पाओलो में भर्ती कराने का फैसला किया है। वहां उनकी और जांच की जाएगी।

'हॉस्पिटल नोवा स्टार' ने बुधवार रात एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति का 'कन्वैलेंटिव क्लिनिकल ट्रीटमेंट' (गैर शल्य चिकित्सा उपचार) चल रहा है, इसका मतलब है कि अभी उनकी सर्जरी नहीं करनी पड़ेगी। बोलसोनारो ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर अपनी अस्पताल की एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह अस्पताल के 'बेड' पर लेटे हुए नजर आ रहे हैं। काले धार्मिक वस्त्र पहने और गले में सोने के क्रॉस के साथ लंबी चेन पहने एक व्यक्ति ने उनके कंधे पर हाथ रखा है, उस व्यक्ति का चेहरा तस्वीर में नहीं दिख रहा। राष्ट्रपति कैथलिक और इवेंजेलिकल दोनों हैं। बोलसोनारो पर 2018 में हुए हमले में उनकी आंतों में चोट आई थी और तभी से उनकी कई सर्जरी की गई हैं। हाल ही में कई कार्यक्रमों में उन्हें बोलने में परेशानी का सामना करते हुए भी देखा गया। 'रैंडियो गुल्फा' को सात जुलाई को दिए एक साक्षात्कार में राष्ट्रपति ने कहा था, 'जो लोग मुझे सुन रहे हैं मैं उनसे माफी चाहता हूँ क्योंकि मुझे पिछले पांच दिन से हिचकियां आ रही हैं।'



जनरल स्कॉट मिलर अफगानिस्तान से लौटे, मिशन अभी खत्म नहीं हुआ है : अमेरिकी रक्षा मंत्री

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना के कमांडर जनरल स्कॉट मिलर सबसे लंबे अमेरिकी युद्ध को लगभग खत्म करके स्वदेश लौट आए हैं। बहरहाल, रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने आश्वासन दिया कि अमेरिका का अफगान मिशन अभी खत्म नहीं हुआ है और वह काबुल का सहयोग करता रहेगा। ऑस्टिन ने अफगानिस्तान में तीन साल की तैनाती के बाद लौटने पर पेंटागन में मिलर का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने कहा, 'स्कॉट और उनका स्टाफ अब स्वदेश में हैं और हम उनकी सुरक्षित वापसी के लिए आभारी हैं। लेकिन अफगानिस्तान में हमारा मिशन अभी पूरा नहीं हुआ है।

सेना को मौजूदगी कम होती रहेगी और अगस्त के अंत तक सेना पूरी तरह वापस बुला ली जाएगी।' उन्होंने कहा कि रक्षा विभाग अफगानिस्तान में अपनी राजनयिक मौजूदगी बनाए रखने, अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बलों को वित्त पोषण देने, अफगान सुरक्षा मंत्रालय को सलाह देने तथा हिंसक चरमपंथी संगठनों को फिर से उभरने से रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। ऑस्टिन ने कहा, 'हम विदेश विभाग के साथ मिलकर उन अफगान नागरिकों तथा उनके परिवारों के पुनर्वास पर भी काम करेंगे जिन्होंने हमारे मिशन में सेवा दी। हम उनके प्रति अपने कर्तव्य को गंभीरता से लेते हैं और हम उनके योगदान का सम्मान करते हैं।' रक्षा मंत्री ने कहा, 'हम 20 साल से अधिक वक्त तक

वहां रहे, हम उन लोगों की सेवा और बलिदान को सम्मान देते रहेंगे जिन्होंने मैदान पर इतना साहस दिखाया। उन्होंने और उनके परिवारों ने हमारी तरफ से काफी संघर्ष किया। कई मायनों से वे अब भी ऐसा कर रहे हैं। 9/11 के बाद से अफगानिस्तान से हम पर हमला नहीं हुआ, इसलिए अफगान सरकार के पास इस प्रगति को आगे ले जाने का मौका है और अफगान सेना के पास अब ऐसी क्षमताएँ हैं जिनकी उन्हें अपने लोगों की रक्षा के लिए आवश्यकता है।' गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अफगानिस्तान से अपनी सेना 11 सितंबर तक वापस बुलाने के निर्देश दिए हैं। पेंटागन इससे पहले ही इस लक्ष्य को पूरा कर सकता है।





क्या आप हैं आइडियल

वेट

छरहरी काया किसे पसंद नहीं होती। जहां भी जाएं, सभी आपकी फिटनेस की तारीफ करें। युवक हो या युवती सभी परफेक्ट बॉडी शेप के लिए चिंतित रहते हैं। फिटनेस को लेकर चिंता तो रहती है, लेकिन उस ओर कदम कुछ ही लोग उठाते हैं।

क्या हो आपका बीएमआई

- हेल्दी वजन- 18 से 22.9
- ओवरवेट - 23 से 23.9 या इससे ज्यादा है।
- (बॉडी बिल्डर्स और बुजुर्गों के लिए बीएमआई का यह मानक मान्य नहीं है।)

अपने वजन को लेकर हम अक्सर चिंतित तो रहते हैं, लेकिन हममें से कितने लोग होंगे, जिन्हें अपने 'आइडियल बॉडी वेट' या यूँ कहें कि आदर्श शारीरिक वजन की जानकारी होगी! बहुत ही कम लोगों को, है न! क्या आप जानते हैं कि इसकी एक सबसे बड़ी वजह यह है कि न तो हम जिम जाते हैं और न ही किसी डाइटिशियन के पास। इसलिए 'आइडियल बॉडी वेट' कितना होना चाहिए, कभी जान ही नहीं पाते। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई और वेस्ट साइज यानी कमर की माप के जरिए आप आसानी से यह पता लगा सकते हैं कि आप 'आइडियल वेट' हैं या नहीं या आप किसी भी तरह के स्वास्थ्य संबंधी खतरों से तो नहीं जूझ रहे हैं!

डेंसिटी लिपोप्रोटीन) जैसी स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं के बढ़ने का खतरा रहता है। इनसे बचने के लिए काफी हद तक आप खुद भी बीएमआई और वेस्ट साइज देखकर अपने बढ़ते वजन के बारे में पता कर सकते हैं।

ट्रांसफर हो सकता है मोटापा

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार, मोटापा एक ऐसी बीमारी है, जो एक से दूसरे में ट्रांसफर भी हो सकती है। यदि आपका दोस्त मोटा है तो आपके भी मोटे होने की आशंका 57 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। ऐसा विवाहित जोड़ियों या सगे भाई-बहनों के साथ भी हो सकता है, क्योंकि काफी हद तक वे एक-दूसरे से जुड़े होते हैं।

आप हेल्दी वेट हैं या नहीं

किसी भी वयस्क की लंबाई और वजन को ध्यान में रखकर उसके सही बॉडी वेट या फेट को तय करना ही बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई कहलाता है। अपना बीएमआई जानने के लिए आप अपने वजन को किलोग्राम में और लंबाई को मीटर में माप लें। अब लंबाई को माप कर लें यानी उस लंबाई में उतने से ही गुणा कर दें। अब वजन में अंतिम रूप से प्राप्त लंबाई से भाग दें। मान लें कि आपका वजन 70 किलोग्राम है और आपकी लंबाई 1.6 मीटर है। तो बीएमआई निकालने के लिए सबसे पहले लंबाई का वर्ग कर लें यानी 1.6 में 1.6 से गुणा कर लें जो 2.56 होगा। अब वजन यानी 70 में 2.56 से भाग दें। प्राप्त परिणाम होगा 27.35, जो आपका बीएमआई कहलाएगा। अगर आपका वजन 60 किलोग्राम है और वजन 1.6 मीटर तो आपका बीएमआई 60 में 2.56 से भाग देने से निकलेगा। यह 23.43 होगा। बीएमआई पर नजर रखकर आप अपने वजन पर खुद भी नियंत्रण रख सकते हैं। यदि आप ओवरवेट हैं या फिर मोटापे के शिकार हैं तो पहले खुद को और मोटे होने से रोकें। तभी बाद में आप अपना वजन कम करने पर ध्यान दे पाएंगे। यदि आपकी बीएमआई रेंज हेल्दी है तो अच्छी डाइट और एक्सरसाइज प्लान के जरिए बाद

में आप अपना वजन बढ़ा भी सकते हैं।

वेस्ट साइज

यदि आपका बीएमआई आपको हेल्दी वेट वाला बताता है तो आपके कमर की माप लेना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यह खासतौर से भारतीयों पर लागू होता है, क्योंकि भारतीयों की कमर चौड़ी होती है। यदि आप महिला हैं और आपका वेस्ट साइज 80 से.मी. से ज्यादा है या आप पुरुष हैं और आपका वेस्ट साइज 90 से.मी. से ज्यादा है तो आपके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से ग्रस्त होने की आशंका प्रबल है और आपके हार्ट डिलीज, टाइप 2 डायबिटीज, ब्रेस्ट कैंसर से ग्रस्त होने और प्री-मैच्योर डेथ की अधिक आशंका है। ध्यान रखें कि पुरुषों के कमर के आसपास और महिलाओं के लोअर बॉडी में फेट बढ़ने की संभावना अधिक रहती है।

वेस्ट साइज मापने का सही तरीका

सीधे खड़े होकर टेप से आप हिप बॉन्स के ठीक ऊपर का हिस्सा मापें। ऐसा सांस छोड़ने के तुरंत बाद करें। यदि आपका बीएमआई या कमर की गोलाई हेल्दी लिमिट्स को पार कर रही हो तो अत्यधिक वजन की वजह से होने वाली बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप वजन कम करने की योजना बनाएं।



सीने के दर्द को न करें दरकिनार

सीने का दर्द एंजाइना के शुरुआती लक्षणों में से एक है, जो आगे चलकर दिल का मरीज बना सकता है। इसे महिलाओं के लिए साइलेंट किलर कहा जाता है।

आशा 54 वर्ष की उम्र में भी बेहद नियमित और सक्रिय रहने वाली महिला रही है। थोड़ी बहुत शारीरिक परेशानी के नाम पर उन्हें कभी-कभार चेरट पेन की शिकायत होती थी। लेकिन इसे वह ज्यादा तवज्जो नहीं देती थी। एक रोज अचानक जब उन्हें दिल का दौरा पड़ा तो किसी को यकीन नहीं हुआ कि बेहद नियमित दिनचर्या वाली आशा को भी ऐसी परेशानी हो सकती है। दिल का दौरा पड़ने के बाद समय पर उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाने से उनकी जान तो बच गई, लेकिन तमाम जांच-पड़ताल के बाद डॉक्टरों ने जो बताया, वह चौंकाने वाला था। डॉक्टरों का कहना था कि आशा को दिल का दौरा यूँ ही अचानक नहीं पड़ा। समय-समय पर उनके सीने में होने वाला हल्का दर्द ही इस बात का संकेत दे रहा था कि उनका दिल बीमार है और उसे दवा और देखरेख की जरूरत है। लेकिन राधा ने उस दर्द पर ध्यान न देकर खुद को हृदय रोगी बना लिया। आमतौर पर महिलाएं सीने में उठने वाले हल्के दर्द पर ध्यान नहीं देती हैं, जो आगे जाकर बड़ी समस्या का रूप ले लेता है। आमतौर पर सीने में होने वाले इस दर्द को 'एंजाइना' कहा जाता है, जिसे मेडिकल लैंग्वेज में एंजाइना पेक्टोरिस के नाम से जाना जाता है।

खून की कमी

'एंजाइना की समस्या तब होती है, जब कोरोनरी डिजीज के चलते हार्ट तक पहुंचने वाले रक्त की मात्रा कम होती



जाती है। हार्ट को ऑक्सीजन की कमी महसूस होने लगती है, जो दर्द के रूप में सामने आती है। एंजाइना कोई बीमारी नहीं है, बल्कि यह हार्ट से जुड़ी समस्या बन आप पर हावी होने का संकेत देती है। कभी एंजाइना का दर्द सीने के अलावा एक तरफ की बांह, कंधे, जबड़ों, गर्दन और कमर में भी होता है। ऐसे में एंजाइना को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। ज्यादातर लोग यह मानते हैं कि एंजाइना से आमतौर पर पुरुष ही प्रभावित होते हैं, लेकिन अध्ययन बताते हैं कि अधिकतर महिलाओं को अगर हार्टअटैक की समस्या होती है तो इसकी एक बड़ी वजह एंजाइना ही होता है। एंजाइना के चलते मरीज को सीने में होने वाला दर्द, अजीब-सा भारीपन, सांस लेने में ज्यादा दबाव डालना आदि संकेत मिलते हैं। कभी-कभी एंजाइना से पीड़ित महिला को भूख न लगना, लगातार पसीना निकलना और कंपकंपी की शिकायत भी होती है।

स्टेबल एंजाइना की परेशानी

'महिलाओं में आमतौर पर स्टेबल एंजाइना की परेशानी ही ज्यादा देखने को मिलती है, जो थोड़ी देर आराम करने के बाद नियंत्रित हो जाती है। इसी कारण महिलाएं इस समस्या को ज्यादा तवज्जो नहीं देती हैं। अगर एंजाइना को शुरुआती लक्षणों के दौरान भांप लिया जाए तो दवाओं से इसे नियंत्रित किया जा सकता है और हार्ट से जुड़े खतरों को टाला जा सकता है।'

गुस्से को कहिए बाय-बाय



जब गुस्सा आता है तो दिल करता है आसपास तोड़-फोड़ कर दें। जोर से चीखें, चिल्लाएं। गुस्सा आने पर हमारी स्थिति कुछ ऐसी ही होती है। बिना सोचे-समझे कोई भी कदम उठा लेते हैं। गुस्से को कैसे कम किया जाए और गुस्सा आने पर खुद को कैसे संभालें। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार कई महत्वपूर्ण बातें हैं, जिनसे गुस्से को काबू किया जा सकता है।

गलती का एहसास

गुस्से पर नियंत्रण के लिए आवश्यक है सबसे पहले एहसास होना कि हम कुछ गलत कर रहे हैं और गुस्सा खत्म करने की इच्छा हो। अगर गलत करने का पछतावा ही नहीं होगा तो उसे सुधारने की इच्छा कैसे जागेगी। तो इस गुस्से की समस्या पर पहले ही जीत वयों न हासिल करें। वजन को समझें: जॉब छूटने पर, कैरियर में असफल होने पर या किसी निजी परेशानी या अन्य कारणों से तनाव बढ़ने से स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। तो ऐसे में गुस्से की वजह को जानने की कोशिश करें। जानें कि वयों आपके व्यवहार में चिड़चिड़ापन आ रहा

है। कारणों को समझकर उसे हल करने का प्रयास करें।

बात करें: कई बार दोस्तों, पति-पत्नी या परिवार के बीच कुछ गलतफहमियां या टकराव हो जाता है, जो गुस्से का कारण बनता है। ऐसे में बात करके गिले-शिकवे दूर करें। बात करने से आपसी गलतफहमी भी दूर होगी और सब सामान्य हो जाएगा। परिस्थितियों को स्वीकारें: कई बार ऐसी स्थितियां होती हैं, जिनसे न हम आगे बढ़ पाते हैं और न उन्हें बदल सकते हैं। ऐसे में धीरे-धीरे मन में खीझ उत्पन्न होने लगती है। इसलिए आवश्यक है कि उन परिस्थितियों को स्वीकार किया जाए। उनसे भागने और परेशान होने की बजाए कारणों को स्वीकारें और जिंदगी में आगे बढ़ें।

भागदौड़ी से बचें: रोडवेज की कितनी ही घटनाएं आए दिन होती रहती हैं। गुस्से के भयानक परिणाम ऐसी घटनाओं में नजर आते हैं। अक्सर होता ये है कि हम जल्दी में घर से निकलते हैं। रास्ते में जाम लगने या किसी गाड़ी या पैदल यात्री के कारण जरा सा भी लेट हो जाएं तो चिंता बढ़ जाती है, जो गुस्से के रूप में बाहर निकलती है। इसलिए जहां

गुस्सा आएगा तो स्वाभाविक है कि वह किसी न किसी तरह बाहर भी निकलेगा। कई बार हम गुस्से को गलत तरीके से भी बाहर निकालते हैं और हम अपना ही नुकसान कर बैठते हैं, लेकिन कुछ समझ-बूझ और संयम से भी गुस्से को बढ़ने से रोका जा सकता है।

भी जाएं, थोड़ा जल्दी घर से निकलें।

बेहतर है कहीं जाना: गुस्सा रोकने के लिए आवश्यक है कि ध्यान कहीं और लगाएं। जब गुस्सा आ रहा हो तो उस जगह से चले जाएं। वहां रहेंगे तो गुस्सा और बढ़ेगा। वहां से चले जाने पर ध्यान झगड़े से हट जाएगा।

गहरी सांस लें

गुस्से के वकत कहीं दूर जाकर लंबी गहरी सांस लें। शरीर में सांस के अंदर-बाहर जाने की प्रक्रिया को महसूस करें। इससे आपका ध्यान गुस्से से हटकर सांस लेने पर चला जाएगा, जिससे गुस्सा कम हो जाएगा। इसके अलावा 1 से लेकर 10 तक गिनती भी गिन सकते हैं।

ऊर्जा का उचित उपयोग: गुस्सा आने पर शरीर में हार्मोन्स में कई बदलाव होते हैं, जिनसे शरीर लड़ने के लिए एकदम तैयार हो जाता है। उस समय शरीर में उत्पन्न ऊर्जा को लड़ाई में न लगाकर किसी अन्य काम में लगाएं। जैसे घूमने निकलें, व्यायाम करें, डांस करें, बास्केट बॉल या घर पर बॉक्सिंग करें, या कुछ अन्य काम। इससे ऊर्जा इन कामों के जरिए बाहर निकल आएगी और गुस्सा अपने आप कम हो जाएगा।

बात न करें: गुस्सा आने पर कोशिश करें कि किसी से भी बात न हो। भीड़-भाड़ वाली जगह पर न जाएं। इससे आपका गुस्सा कुछ समय बाद अपने आप समाप्त हो जाएगा। परिणामों पर सोचें: गुस्से में कोई कदम उठाने के बाद उसके परिणाम भी भुगतने पड़ जाते हैं। इसलिए गुस्से में कुछ करने से पहले बाद में होने वाले परिणामों के बारे में सोचने की कोशिश करें।





तीन अगस्त से अस्थायी प्लेट्स फीचर को बंद करेगा ट्विटर

नई दिल्ली। ट्विटर ने 3 अगस्त से अपने प्लेट्स फीचर को लेकर उसकी खराब प्रतिक्रिया देखने के बाद उसको बंद करने की घोषणा की है। माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने सिर्फ आठ महीने पहले इस फीचर को लॉन्च किया था। प्लेट्स ऐसे ट्वीट्स गायब कर रहा है जो स्मार्टफोन पर टॉप यूजर्स के ट्विटर हैंडल के शीर्ष पर एक पॉप-अप में होते हैं। ये क्षणिक ट्वीट 24 घंटे के बाद एक्सपायर हो जाते हैं। ट्विटर के प्रोडक्ट्स के उपाध्यक्ष इलिया ब्राउन ने बुधवार देर रात एक बयान में कहा, जब से हमने सभी के लिए प्लेट्स पेश किया है, हमने प्लेट्स के साथ बातचीत में शामिल होने वाले नए लोगों की संख्या में वृद्धि नहीं देखी है, जैसा हमें उम्मीद थी। ब्राउन ने कहा, हमें उम्मीद थी कि प्लेट्स अधिक लोगों को ट्विटर पर बातचीत में शामिल होने में सहायक महसूस करने में मदद करेंगे। 3 अगस्त से, ट्विटर उपयोगकर्ता केवल सक्रिय स्थान देखेंगे जो उनकी समयसीमा के शीर्ष पर लाइव ऑडियो चैट रूम है। ट्विटर ने अपने प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, हम 3 अगस्त को प्लेट्स को हटा रहे हैं, कुछ नई चीजों पर काम कर रहे हैं। हमें खेद है, और आपका स्वागत है। फेसबुक और स्नैपचैट को टकरा देने के लिए, ट्विटर ने पिछले महीने स्टोरीज जैसे वर्टिकल फॉर्मेट, फुल-स्क्रीन विज्ञापनों को अपने प्लेट्स फीचर में लाया था। ट्विटर ने लोगों को बातचीत में शामिल होने और क्षणिक विचारों को साझा करने का एक नया, क्षणिक तरीका देने के लिए पिछले साल नवंबर में वैश्विक स्तर पर प्लेट्स लॉन्च किया था। लोग टेक्स्ट, ट्वीट्स, फोटो या वीडियो पर प्रतिक्रिया देंगे और विभिन्न प्रोफाइल, स्टिकर और टेक्स्ट विकल्पों के साथ अपने चोटियों को अनुकूलित करेंगे। ट्विटर के सीईओ जैक डोर्सी के अनुसार, कंपनी ने प्लेट्स को शुरूआत ट्विटर के भीतर भंडारण उत्पाद बनाने के लिए नहीं की थी, बल्कि लोगों की समस्या को हल करने के लिए की थी। उन्होंने कहा, हमने निश्चित रूप से एक अलग दर्शक वर्ग देखा है जो हम आम तौर पर देखते हैं, लेकिन हमें अभी भी बहुत कुछ सीखना है।

यूनिसेफ ने भारत में प्रीमियम स्मार्टफोन के लिए चिपसेट लॉन्च किया

नई दिल्ली। चीनी चिपसेट निर्माता यूनिसेफ ने बुधवार को भारतीय उपयोगकर्ताओं को बेहतर प्रदर्शन और तेज मोबाइल एप्लिकेशन प्रोसेसिंग अनुभव देने के लिए एक नई पीढ़ी के प्रोसेसर-टी610 को लॉन्च किया। टी610 एक प्रोसेसर है, जिसे स्मार्टफोन और टैबलेट में उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह 12एनएम प्रक्रिया को अपनाता है जिसमें दो 1.8 गीगाहर्ट्ज आम कर्टिक्स-ए75 सीपीयू और छह 1.8 गीगाहर्ट्ज आम कर्टिक्स-ए55 सीपीयू हैं, जबकि जीपीयू 614.4 मेगाहर्ट्ज माली जी52 का उपयोग करता है। यूनिसेफ के ईवीपी एरिक झोउ ने एक बयान में कहा, भारत में अपने उपयोगकर्ताओं के लिए टी610 चिपसेट पेश करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। झोउ ने कहा, हमारा टी610 चिपसेट स्मार्टफोन यूजर्स को प्रीमियम फीचर्स प्रदान करता है, जिसमें मनामना प्रदर्शन, बेहतर पावर दक्षता, सहज गेमप्ले और फिक्क-परफेक्ट फोटोग्राफी शामिल है।



पेट्रोल की कीमत और बढ़ी, डीजल की दर रही धीमी

नई दिल्ली। वैश्विक संकेतों ने गुरुवार को देश भर में ईंधन की कीमतों को फिर से बढ़ा दिया। आम आदमी पहले से ही सिक्कुड़ती आँख के बीच सड़ती खाद्य कीमतों से जूझ रहा है। हालांकि, तेल विपणन कंपनियों ने गुरुवार को दो महीने से अधिक समय पहले अपनाए गए अपने अध्यास को जारी रखा, जिससे पेट्रोल की कीमत डीजल की तुलना में अधिक बढ़ गई। इस हिसाब से दिल्ली में जहां पेट्रोल की कीमत 35 पैसे बढ़कर 101.54 रुपये प्रति लीटर हो गई, वहीं दिल्ली में डीजल की कीमत केवल 15 पैसे बढ़कर 89.87 रुपये प्रति लीटर हो गई। देश भर में भी पेट्रोल की कीमतों में 30-40 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई, डीजल की कीमतों में भी 10-20 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई। गुरुवार से पहले, तेल विपणन कंपनियों ने दो बड़े तेल उत्पादकों सऊदी अरब और यूएई द्वारा ओपेक द्वारा तेल के उत्पादन पर किसी प्रकार के समझौते पर पहुंचने की खबर के बाद वैश्विक तेल की कीमतों को

शेयर बाजार में तेजी, संसेक्स-निफ्टी रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद



मुंबई। मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को भारी उछाल आया और संसेक्स-निफ्टी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गये। दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) से बाजार में यह उछाल आया है। मिडकैप, स्मालकैप इंडेक्स भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर रहे। निफ्टी आईटी इंडेक्स भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर

रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सूचकांक संसेक्स 254.80 अंक करीब 0.48 फीसदी की बढ़त के साथ ही 53,158.85 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 70.25 अंक तकरीबन 0.44 फीसदी की बढ़त के साथ ही 15,924.20 के स्तर पर बंद हुआ। बड़ी कंपनियों के शेयरों की बात करें तो एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, विप्रो, हिंडालको और एल एंड टी के शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। वहीं ओएनजीसी, इंच मोटर्स, भारती एयरटेल, ग्रामिण और कोल इंडिया के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए जबकि सेक्टरियल इंडेक्स की बात करें तो फार्मा, मीडिया, ऑटो और पीएसयू बैंक शेयर नुकसान के साथ ही लाल

रुपया बढ़त के साथ बंद



मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपये का आरंभिक लाभ कुछ कम हो गया और अंत में इसकी विनिमय दर पांच पैसे की तेजी दिखाते हुए 74.54 पर बंद हुई। वहीं अन्तर बैंक विदेशी विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 74.48 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 74.47 के दिन के उच्च स्तर और 74.55 के निम्न स्तर तक पहुंचा और अंत में पिछले कारोबारी सत्र के मुकाबले पांच पैसे की तेजी दिखाता हुआ 74.54 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले बुधवार को रुपया प्रति डॉलर 74.59 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी घटकर 92.33 रह गया।



चंदा कोचर मामला: सैट ने सेबी को 15 सितंबर तक कार्रवाई नहीं करने को कहा

विजयन डेस्क। प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने सेबी के न्यायाधिकारी को आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रमुख चंदा कोचर से संबंधित मामले में 15 सितंबर कार्रवाई नहीं करने को कहा है। यह मामला सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति बी एन श्रीकृष्ण की एक रिपोर्ट के विश्लेषण के आधार पर नियामक द्वारा कोचर को जारी कारण बताओ नोटिस से संबंधित है। श्रीकृष्ण समिति, जिसे आईसीआईसीआई बैंक में 2019 में ऋणदाता को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कोचर ने बैंक की नीतियों और अन्य नियमों का उल्लंघन किया है। कोचर आईसीआईसीआई बैंक की प्रबंध निदेशक और सीईओ थीं तथा उन्होंने अक्टूबर, 2018 में इस्तीफा दे दिया था। सैट ने नौ जुलाई के अपने आदेश में न्यायाधिकारी को अगली सुनवाई तक मामले में किसी कार्रवाई से रोक दिया। सैट ने कहा कि मामले की अंतिम सुनवाई 15 सितंबर को होगी।

एचपी ने छात्रों व शिक्षकों के लिए एआई-पावर्ड डिजिटल समाधान पेश किए



नई दिल्ली। एचपी इंडिया ने गुरुवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा संचालित समाधान पेश किए, जो शैक्षणिक संस्थानों को डिजिटल सीखने का माहौल बनाने में मदद करेंगे और छात्रों को ज्ञान, पाठ्यक्रम और सहयोगी संसाधनों तक 24/7 पहुंच प्रदान करेंगे। एचपी के समाधानों में स्कूल कोच, डिजिटल शिक्षाशास्त्र, साक्षरता प्रशिक्षण और स्कूल सुधार कोच, एचपी क्लासीजी और एक व्यापक माईयूजर लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम शामिल है। कंपनी ने एचपी स्कूल कोच के लिए

मिराई पार्टनर्स के साथ सहयोग किया, जो एक प्रमुख शिक्षण और विकास संगठन है। एचपी क्लासीसी को ई-लर्निंग समाधान प्रदान करने के लिए लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम और छात्र सूचना आधारित शिक्षण प्रणाली है, जिसका उद्देश्य प्रेरणा, वैयक्तिकरण और जुड़ाव के माध्यम से स्कूली शिक्षा का माहौल फिर से बनाना है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के एक अभिनव उपयोग के माध्यम से यह मंच एक आभासी कक्षा का वातावरण बनाता है जो शिक्षार्थियों को प्रोत्साहित और प्रेरित करते हुए जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए मंच पर सरलीकरण की एक परत जोड़ता है। मंच कक्षा की गतिविधियों को बदल देता है जो पहले एक भौतिक सेटिंग में एक सहज आभासी अनुभव में किए गए थे। टूल का बड़ा हुआ उपयोग आकादमिक गतिविधियों को बढ़ावा देना और माता-पिता और शिक्षकों को विशिष्ट लक्ष्यों की दिशा में प्रगति को ट्रैक करने की अनुमति देगा। इस समाधान पहले ही फिनलैंड, ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, यूएई, भिस्स सहित अन्य प्रमुख बाजारों में लागू किए जा चुके हैं।

फेसबुक ने क्रिएटर्स को स्टार्टअप देने के लिए एक बिलियन डॉलर का निवेश करने की योजना बनाई



सैन फ्रांसिस्को। फेसबुक ने क्रिएटर्स को स्टार्टअप देने के लिए एक बिलियन डॉलर के निवेश की योजना बनाई है। फेसबुक ने घोषणा की है कि वह ऐसे कार्यक्रमों में 1 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश करने की योजना बना रहा है, जो क्रिएटर्स को फेसबुक और इंस्टाग्राम पर उनके द्वारा बनाई गई सामग्री के लिए पैसे कमाने के

नए तरीके प्रदान करते हैं। इस निवेश में नए बोनस कार्यक्रम शामिल होंगे जो योग्य रचनाकारों को रचनात्मक और मुद्राकरण टूल का उपयोग करने पर कुछ मील के पथर मारने के लिए भुगतान करते हैं। कंपनी ने बुधवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, हम क्रिएटर्स को उनकी सामग्री तैयार करने के लिए सीड फंडिंग भी प्रदान करेंगे। हमारा लक्ष्य हमारे ऐप्स पर अधिक से अधिक क्रिएटर्स को स्थायी, लंबे समय तक सफलता खोजने में मदद करना है। कंपनी ने कहा कि वह बोनस कार्यक्रम पेश कर रही है जो लोगों को पसंद आने वाली बेहतरीन कर्मों को साझा करने के लिए विभिन्न प्रकार के रचनाकारों को प्रेरित करेगा। बोनस रचनाकारों को

यह समझने में भी मदद करेगा कि कौन सी सामग्री उनके लिए सबसे अच्छा प्रदर्शन करती है। कंपनी ने कहा है, बोनस कार्यक्रम समय के अनुसार होंगे, समय के साथ विकसित और विस्तारित होंगे। हालांकि कुछ बोनस प्रोग्राम पहले से ही आमंत्रण द्वारा चुनिंदा रचनाकारों के लिए उपलब्ध हैं, जैसे कि हमारे बैज और सितारे चुनौतियां, हम इस गर्मी में इंस्टाग्राम ऐप के भीतर और गिरावट में फेसबुक ऐप में बोनस के लिए एक समर्पित स्थान लॉन्च करेंगे, जहां निर्माता उनके लिए उपलब्ध बोनस के बारे में देख सकते हैं। फेसबुक पर पहले बोनस अवसर, जो अभी आमंत्रण द्वारा उपलब्ध हैं, क्रिएटर्स को अधिक कमाई करने में मदद करते हैं, जबकि यह सीखते हुए कि कैसे ऐसी सामग्री बनाई जाए जिससे कमाई की जा सके। आईजीटीवी विज्ञापन बोनस, जो अब यूएस में क्रिएटर्स के लिए उपलब्ध है, क्रिएटर्स को आईजीटीवी विज्ञापनों के लिए

यूएंडआई ने वायरलेस नेकबैंड कटेगरी में चार नए उत्पाद लॉन्च किए

नई दिल्ली। गैजेट एक्सप्रेसरी और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड यूएंडआई ने चार वायरलेस नेकबैंड लॉन्च करने की घोषणा की, जो इसकी मौजूदा नेकबैंड श्रेणी पोर्टफोलियो को विस्तार देते हैं। नए लॉन्च किए गए वायरलेस नेकबैंड हैं: रैपिड सीरीज नेकबैंड, पॉसिबिल सीरीज नेकबैंड, बडी सीरीज नेकबैंड और सीक्रेट सीरीज नेकबैंड। सभी चार नेकबैंड बेदाग ध्वनि गुणवत्ता और भारी बास प्रदान करते हैं जो कॉल सुनते समय या कभी भी और कहीं भी

संगीत का आनंद लेते हुए बेहतर ध्वनि गुणवत्ता सुनिश्चित करते हैं। आज के लाइफस्टाइल में वायरलेस इयरफोन का इस्तेमाल एक टेंड बन गया है। नेकबैंड-स्टाइल वायरलेस इयरफोन के साथ परेशानी मुक्त संगीत का आनंद लेना एक रोज बन गया है। नए लॉन्च किए गए किकाफायती मूल्य पर शानदार ध्वनि की गुणवत्ता प्रदान करता है। यूएंडआई एक अभिनव ब्रांड के रूप में अपने मूल्यवान उपयोगकर्ताओं की आवश्यकता को समझता है, इस प्रकार अपने ग्राहकों को एक प्रीमियम अनुभव

भारत में 83 फीसदी इंजीनियर महामारी के बीच नौकरी बदलना चाहते हैं: सर्वेक्षण



नई दिल्ली। भारत में लगभग 83 फीसदी इंजीनियर मौजूदा महामारी के बीच नौकरी में बदलाव की तलाश में हैं, लेकिन अधिकांश सीखने या नौकरी की कोई गारंटी नहीं होने के बावजूद मुफ्त सीखने के संसाधनों पर निर्भर हैं। आईपी-संचालित इनक्यूबेशन लैब ब्रिजलैब्स द्वारा सर्वेक्षण, 1000 से अधिक लोगों द्वारा यह पता लगाने के लिए किया गया था कि महामारी ने इंजीनियरों के पेशेवर विकास को कैसे प्रभावित किया है। इससे पता चलता है कि अधिकांश लोग नौकरी बदलना चाहते हैं, लेकिन उन्हें स्पष्ट रूप से एक संरचित कार्यक्रम के माध्यम से अपरिष्कलित की आवश्यकता होती है जो यह वादा करता है - एक विकास कार्यक्रम। ब्रिजलैब्स में, हम इस तरह के सर्वेक्षणों के साथ अंतराल खोजने और इंजीनियरों और कंपनीयों दोनों की आकांक्षाओं को समझने की कोशिश कर रहे हैं। हम उन्हें मांग में नौकरियों के लिए सक्षम बनाना चाहते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, उत्तरदाताओं में से लगभग 58 प्रतिशत नए स्नातक थे और अभी

भारतीय नौजवानों को बादाम खाना पसंद है- हाल में किए गए सर्वे में सामने आई यह बात



मुंबई, 15 जून 2021- जैसे-जैसे हमारे आसपास की दुनिया तेजी से बदल रही है और सूचना तक लोगों की पहुंच तेजी से बढ़ी है। जैसे-जैसे देश भर में भारतीयों की लाइफस्टाइल और खाने-पीने के मामलों में पसंद भी बदलती जा रही है। युवा भारतीयों और 18 से लेकर 35 वर्ष के लोगों के आयुर्वर्ग की जीवन शैली में खासतौर से बदलाव देखने को मिल रहा है जो अपनी लाइफस्टाइल के प्रति काफी जागरूक हो गए हैं और इसे सुधारने के लिए बेहद सतर्कता से कदम उठा रहे हैं। एक शोध सलाहकार फर्म इन्फोसि इंडिया ने 5 से 25 मार्च 2021 में भारत के लिए किए गए सर्वे के अनुसार सर्वे में भाग लेने वाले 78 फीसदी भारतीयों ने महसूस किया कि पौष्टिक और सेहतमंद 'कैकिंग बेहद जरूरी है। सर्वे में 58 फीसदी लोगों ने बदलते लाइफस्टाइल के बीच इसे बहुत महत्वपूर्ण बताया और 20 फीसदी लोगों ने काफी महत्वपूर्ण बताया। इन्फोसि इंडिया द्वारा किए गए सर्वे का उद्देश्य लोगों में कैकिंग की बदलती आवृत्ति को पहचानना है। इस सर्वे का लक्ष्य तेजी से उभरती आधुनिक जीवन शैली के बीच यह पता लगाना था कि भारतीय युवकों की प्राथमिकताएं कहां तक बदलती हैं। संपूर्ण रूप से सर्वे के ये नतीजे दिखाते हैं कि किस तरह भारतीय युवाओं में अपनी सेहत का ख्याल रखने की चिंता बढ़ती जा रही है और यह युवाओं को अपनी कैल्स खाने की आवृत्ति को बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहा है। सर्वे में यह भी विशेष रूप से उभारा गया कि किस तरह भारत के नौजवान ज्यादा से ज्यादा तावादा में हैं हाई कैलोरी वाले जंक फूड्स की जगह बादाम और फलों को सेहतमंद और पौष्टिक कैल्स के विकल्प के रूप में आजमाना रहे हैं। भारत के 12 शहरों में 18 से 35 साल के आयुर्वर्ग के एनसीसीएसए ए पुरुष और महिलाओं, कुल 4148 लोगों, ने सर्वे में पूछे गए सवालों का जवाब दिया। भारत के इन 12 शहरों में दिल्ली, लखनऊ, लुधियाना, जयपुर, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, शुभनेबर, चेन्नई, बंगलुरु, कोयंबटूर और अहमदाबाद शामिल हैं। बादाम भारतीय नौजवानों की नंबर 1 पसंद बनकर उभरा है। सर्वे में भाग लेने वाले 64 फीसदी लोगों ने कहा कि हमने बादाम को खाने से सेहत को होने वाले नियमित फायदों को देखते हुए बादाम को कैल्स के विकल्प के रूप में खाने पर विचार किया। सर्वे में भाग लेने वाले ने पसंदीदा कैल्स के रूप में बादाम का चयन मुख्य रूप से स्वाद, स्वास्थ्य और पौष्टिकता से प्रभावित होकर किया। सर्वे में दिलचस्प बात यह सामने आई कि जेनेरेशन जेड और मिलेनियल्स में से 41 फीसदी नौजवानों ने बादाम को पसंद किया। 39 फीसदी ने सेहतमंद, 38 फीसदी ने प्रोटीन से भरपूर और 36 फीसदी नौजवानों ने इसे विटामिन से लैस बताया।



कोपा अमेरिका की जीत के बाद मैसी ने अपने 100 वर्षीय सुपरफैन को मेजा सदश

ब्रासिलोना। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मैसी ने कोपा अमेरिका का खिताब जीतने के बाद अपने 100 वर्षीय प्रशंसक डॉन हेरानान को वीडियो संदेश भेजा है। अर्जेंटीना ने फाइनल में ब्राजील को हराकर कोपा अमेरिका का खिताब जीता था। मैसी ने अब वीडियो संदेश के द्वारा 100 वर्षीय वायरल टिकटोफ स्टार जो उनका बहुत बड़ा प्रशंसक हैं, उन्हें बधाई दी है। हेरानान मैसी के करियर के शुरूआत से ही उनको फोलो करते आए हैं। उन्होंने मैसी द्वारा किए गए हर एक गोल को अपने हाथ से लिखकर नोटबुक में रिकॉर्ड किया है। इसके साथ ही वह अपने पोते जुलियन मास्ट्रिंगेल को याद दिलाते हैं कि अगर वह एक मैच मिस कर दें तो जुलियन यह सुनिश्चित करें कि मैसी का किया हुआ एक भी गोल नोटबुक में रिकॉर्ड होने से नहीं रह जाए। मैसी ने वीडियो संदेश भेज कहा, हेरानान आपको कहनी मुझ तक पहुंची। यह मेरे लिए मजेदार है कि आप मेरे गोल रिकॉर्ड करते हैं। इसके लिए मैं आपको गले लगाता हूँ और आप जो कर रहे हैं उसके लिए धन्यवाद देता हूँ। वीडियो देखने के बाद हेरानान की आंखें भर आईं और उन्होंने कहा, मैं हमेशा आपको फोलो करता हूँ और अंत तक करता रहूँगा। मैं आपके पीछे खड़ा हूँ।

ओलंपिक काउंटडाउन : मनिका और शरत कमल पर मिक्सड युगल टेबल में होगी जिम्मेदारी



मुंबई।

मनिका बत्रा और शरत कमल पर टोक्यो ओलंपिक में मिक्सड युगल टेबल टेनिस खिलाड़ी में पदक लाने की जिम्मेदारी

होगी। भारत ने 1988 से हर ओलंपिक में टेबल टेनिस से दो खिलाड़ियों को उतारता आया है। लेकिन इस खेल में चीन का दबदबा रहा है और अन्य देशों के खिलाड़ियों के लिए पदक जीतने की उम्मीद कम रहती है। चीन ने ओलंपिक में 32 में से 28 स्वर्ण पदक जीते हैं। अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) ने बाद में इसके प्रारूप और नियमों में बदलाव किया और प्रत्येक देश से हर इवेंट में अधिकतम दो खिलाड़ियों को

रखा। 2008 बीजिंग ओलंपिक खेलों के बाद से पुरुष और महिला युगल को पुरुषों और महिलाओं की टीम प्रतियोगिताओं से बदल दिया गया है। टोक्यो में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में एकल और टीम स्पर्धाओं में प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी जबकि मिक्सड युगल इवेंट भी होगा। भारतीय टीम के एशियन क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के फाइनल राउंड में हारने के बाद चार भारतीय खिलाड़ियों ने टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। टोक्यो में भारत की ओर से शरत और जी सांत्थान पुरुष एकल जबकि मनिका और सुतीर्था मुखर्जी महिला एकल वर्ग में भाग लेंगी। शरत और

मनिका ने मिक्सड युगल इवेंट के लिए क्वालीफाई किया है और ये पदक के दावेदार हैं। 39 वर्षीय शरत चौथे ओलंपिक में हिस्सा लेंगे जबकि मनिका का यह दूसरा ओलंपिक होगा। शरत ने पहली बार 2004 एथेंस ओलंपिक में हिस्सा लिया था। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने हाल के दिनों में राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में बेहतर प्रदर्शन किया था। मनिका ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में महिला एकल वर्ग में स्वर्ण जीता था जबकि मनिका तथा शरत ने जकार्ता एशिया खेलों में मिक्सड युगल इवेंट में कांस्य पदक जीता था। भारत को मिक्सड युगल में पदक जीतने की उम्मीद है।

भारतीय टीम दर्शकों के बिना काउंटी एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी



लंदन।

भारतीय टेस्ट टीम इंग्लैंड में काउंटी चैंपियनशिप एकादश के खिलाफ दर्शकों के बिना तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। यह मैच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले तैयारी के

बीच अभ्यास मैच की मेजबानी करेगा। बयान में कहा, विश्व की नंबर-2 टेस्ट टीम ने इस बार अमीरात रिवरसाइड को अपना घरेलू आयोजन स्थल बनाया है। टीम 20 जुलाई से काउंटी के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी। विराट कोहली के नेतृत्व वाली टीम के खिलाफ तीन दिनों के खेल में काउंटी सर्किट से कई खिलाड़ी होंगे। सूत्रों के अनुसार, भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं और फिलहाल आईसोलेशन में हैं। इसी कारण अभ्यास मैच को दर्शकों के बिना कराने का फैसला किया गया है। भारत और इंग्लैंड के बीच चार अगस्त से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होगी है। अभ्यास मैच 20 जुलाई से रिवरसाइड ग्राउंड में खेला जाएगा। डरहम क्रिकेट ने इसकी पुष्टि की। डरहम काउंटी क्रिकेट ने बयान जारी कर कहा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अमीरात रिवरसाइड भारत और काउंटी चैंपियनशिप एकादश के

ब्रिटेन की महिला फुटबॉल टीम ओलंपिक में करेगी ब्लैक लाइव्स मूवमेंट का समर्थन

लंदन।

ब्रिटेन की महिला फुटबॉल टीम की योजना टोक्यो ओलंपिक में मैच शुरू होने से पहले एक घुटने के बल बैटकर नस्लवाद का विरोध करने की है। पिछले साल से खिलाड़ी इस मुद्दा से नस्लवाद का विरोध दर्ज करा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने इस महीने अपने नियमों में थोड़ी रियायत दी है जिससे ओलंपिक खिलाड़ी टोक्यो खेलों में खेलने के दौरान मैदान पर विरोध की मुद्रा बना सकते हैं। ब्रिटेन की कोच हेग रिसे ने कहा कि खिलाड़ी और स्टाफ पिछले एक साल से ज्यादा समय से क्लब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक घुटने के बल बैठ रहे हैं और हम जो कर रहे हैं, उसे जारी रखने के फैसले में सभी एकजुट हैं ताकि हम नस्लवाद और भेदभाव के प्रति जागरूकता फैला सकें और जिनकी जिंदगी इससे प्रभावित हुई है, उन सभी के साथ एकजुट होकर मजबूती दिखा सकें।



भारतोलक मीराबाई और निशानेबाज ओलंपिक तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे



मुंबई।

टोक्यो ओलंपिक को शुरू होने में अब महज कुछ ही समय शेष रह गया है और भारतोलक मीराबाई चानू और निशानेबाज इसकी तैयारियों

रहना होगा। भारतीय एथलीट जो विदेश से टोक्यो पहुंचेंगे उन्हें क्वारंटीन में रहने की जरूरत नहीं होगी। भारतीय पुरुष और महिला टीमों सहित कुल 70 खिलाड़ियों का पहला दल नई दिल्ली से 17 जुलाई को टोक्यो के लिए रवाना

होगा। भारतोलक मीराबाई और शूटर राही सरनोबात ओलंपिक तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। मीराबाई अमेरिका के कनकास शहर में ट्रेनिंग कर रही हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण ने गुरुवार को मीराबाई की ट्रेनिंग सेशन के फोटो और वीडियो पोस्ट किए। सरकार ने अमेरिका में दो महीने तक ट्रेनिंग के लिए 40 लाख रुपये खर्च किए हैं। मीराबाई भारत की एकमात्र भारतोलक हैं जिन्होंने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है और वह महिला 49 किग्रा में पदक की प्रबल दावेदार हैं। क्रोएशिया के जागोरेव में शूटर भी फाइनल ट्रेनिंग कर रहे हैं। निशानेबाज पहले से एक महीने से अधिक समय से बायो बबल में हैं लेकिन इन्हें टोक्यो पहुंचने पर भी कुछ समय तक क्वारंटीन में रहना होगा। भारतीय मुक्केबाजी टीम इटली से टोक्यो पहुंचेगी जहां वे पिछले महीने से कैम्प कर रहे हैं जबकि भालाफेंक एथलीट नीरज चोपड़ा स्वीडन से टोक्यो रवाना होंगे।

संक्षिप्त समाचार



फुटबॉल के गढ़ बार्सिलोना में भी बनेगा क्रिकेट स्टेडियम, होगा इतना खर्चा

बार्सिलोना। फुटबॉल के लिए मशहूर बार्सिलोना में एक क्रिकेट स्टेडियम बनने जा रहा है और इसका श्रेय महिला टीम के लिए जुटाए गए जन समर्थन को जाता है। बार्सिलोना शहर प्रशासन ने पिछले महीने नागरिकों से रायसुमारी कराई थी। वे नवी सुविधाओं और सार्वजनिक स्थानों को बेहतर बनाने पर 35 मिलियन डॉलर खर्च करना चाहते हैं। क्रिकेट मैदान को 184 प्रस्तावों में से सबसे ज्यादा वोट मिले। इस पर करीब 14 लाख डॉलर खर्च किए जाएंगे स्पेन के लिए क्रिकेट नया है और इस मुहिम का श्रेय युवा महिलाओं को जाता है जिनमें अधिकांश भारत और पाकिस्तान से आई अप्रवासी हैं जो बार्सिलोना के उपनगरों में रहती हैं। 18 वर्ष की छात्रा नादिया मुस्तफा ने कहा कि यह सपना सच होने जैसा है। हमने कई हफ्तों मेहनत करके लोगों को इसके पक्ष में मतदान के लिए तैयार किया। अब बार्सिलोना में पहला क्रिकेट स्टेडियम बनेगा। बार्सिलोना में काफी संख्या में भारतीय और पाकिस्तानी रहते हैं। यहां करीब 400 क्रिकेटर हैं जबकि 25 महिला और पुरुष टीमों में हैं।

कोच द्रविड़ के साथ सीखने के लिए उत्सुक हूँ : पडीकल

कोलंबो। युवा बल्लेबाज देवदत्त पडीकल का कहना है कि वह कोच राहुल द्रविड़ के साथ समय बिताने और सीखने के लिए उत्सुक है। पडीकल ने एक टीवी चैनल से कहा, स्कूल के दौरान मैं पहली बार उनसे वास्तव में हमारे खेल खेल दिवस के आयोजन में मिला था, जहां मुझे उन्हें एक गुलदस्ता भेंट करना था, तभी मैंने उनसे पहली बार बात की थी। उन्होंने कहा, मैं हमेशा इस बात से अर्चभित रहा हूँ कि द्रविड़ अविश्वसनीय रूप से कितने शांत और सौम्य इंसान हैं। क्रिकेट में इतना सब हासिल करने के बावजूद वह जिस तरह जमीन से जुड़े व्यक्ति हैं, उन्हें देखना अद्भुत है। पडीकल ने विजय हजारे ट्रॉफी में 147.4 के औसत से 737 रन बनाए थे। उन्होंने आईपीएल 2020 में 15 मैचों में 473 रन और 2021 के सीजन में छह मैचों में 195 रन बनाए थे। पडीकल ने कहा, द्रविड़ जैसा कोच होने से आप ज्यादा कुछ नहीं पूछ सकते हैं। उनके जैसा मेंटर होना एक सुखद अनुभव है और उम्मीद करता हूँ कि मैं उनसे काफी कुछ सीखूंगा।



अपनी ओलंपिक की तैयारी से खुश नहीं है पीवी सिंधू, कही यह बात



नई दिल्ली।

विश्व बैडमिंटन चैंपियन पीवी सिंधू ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण मिले ब्रेक ने असल में उन्हें बेहतर खिलाड़ी बनाया क्योंकि इससे उन्हें अपनी तकनीक और कौशल पर काम

करने का पर्याप्त समय मिला। महामारी के कारण पिछले साल 2016 रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता सिंधू की टोक्यो ओलंपिक की तैयारियां प्रभावित हुई थी लेकिन उनका मानना है कि इससे फायदा हुआ। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी ने कहा कि मुझे लगता है कि महामारी के दौरान ब्रेक उपयोगी था क्योंकि मुझे अधिक सीखने और अपनी तकनीक तथा कौशल पर ध्यान देने का मौका मिला इसलिए मैं कहूँगी कि इससे मदद मिली।

उन्होंने कहा कि इससे मेरी ओलंपिक की तैयारी अधिक प्रभावित नहीं हुई क्योंकि मुझे लगता है कि मुझे पर्याप्त समय मिला। अधिकांश समय हमारे पास ट्रेनिंग का समय नहीं होता इसलिए मुझे लगता है कि पहली बार हमें असल में ट्रेनिंग का पर्याप्त समय और ओलंपिक के लिए तैयार होने का मौका मिला। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू महिला एकल में टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने अपने से कम रैंकिंग वाली इन्नरहाइल की पोलिकारपोवा सेनिया और हंगकांग की च्युंग एनगानन यी के साथ आसान ग्रुप जे में रखा गया है। सिंधू ने कहा कि मुझे यकीन है कि उम्मीदें होंगी, हर बार की तरह जिम्मेदारी होगी लेकिन उम्मीद करती हूँ कि आपके प्यार और समर्थन से मैं पदक के साथ देश वापस लौटूँगी। सिंधू ने हालांकि कहा कि उन्हें ओलंपिक में दर्शकों की कमी खलेगी क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण खेलों का आयोजन खाली स्टेडियमों में होगा। मुझे प्रशंसकों की काफी कमी खलेगी। रियो में सब कुछ काफी अलग था। लेकिन मुझे लगता है कि हमें स्थिति का आदी होना होगा, यही अब सामान्य हालात हैं। कुल मिलाकर हम भी इसी तरह अभ्यास कर रहे हैं कि इन हालात के आदी हो जाएं।



अपने मजबूत पक्ष के हिसाब से गेंदबाजी की : स्टार्क

सेंट लुसिया।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का कहना है कि उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी 20 में उनके मजबूत पक्ष के हिसाब से गेंदबाजी की। ऑस्ट्रेलिया और विंडीज के बीच पांच मैचों की टी 20 सीरीज का चौथा मुकाबला बेहद रोमांचक रहा जिसका फैसला आखिरी ओवर में हुआ जहां ऑस्ट्रेलिया ने चार रन से जीत हासिल की। स्टार्क ने कहा, मैंने अच्छा खासा सीमित ओवरों का क्रिकेट खेला है। लेकिन पिछले पांच ओवर में मैंने जो किया है वो सीमित ओवरों के करियर में सबसे बेहतर है। उन्होंने कहा, मैंने अतीत में आद्रे रसेल के खिलाफ गलतियां की हैं जिसमें पिछला मुकाबला इसका उदाहरण है जहां मैंने दो मानसिकता के साथ गेंदबाजी की। इस सीरीज के पहले दो मैच में स्टार्क आठ ओवर में 89 रन देकर खाली हाथ रहे थे। तीसरे मैच में उन्होंने चार ओवर में 15 रन देकर एक विकेट लिया। हालांकि, चौथे मैच में भी वह 37 रन देकर विकेट लेने में नाकाम रहे लेकिन वह अंतिम ओवर में रसेल को जीत के लिए जरूरी 11 रन बनाने से रोकने में सफल रहे। स्टार्क ने कहा, मैं निजी तौर पर ऐसे प्लान का समर्थन नहीं करता। मैंने उस हिसाब से गेंदबाजी की जो मेरा मजबूत पक्ष है। मेरे ख्याल से टी20 क्रिकेट में यही जरूरी है। अगर आप दोहरी मानसिकता के साथ दौड़ रहे हैं तो आप पहले ही मैच में पीछे रह जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया और विंडीज के बीच फाइनल टी20 मुकाबला 17 जुलाई को खेला जाएगा। विंडीज ने पांच मैचों की सीरीज में 3-1 की बढ़त बनाई हुई है।

ओलंपिक शुरू होने से पहले मंडराया खतरा, जापान में कोरोना के मामले बढ़े



टोक्यो - टोक्यो में ओलंपिक शुरू होने से आठ दिन पहले नये कोरोना वायरस संक्रमण के 1308 मामले मिले हैं जो छह महीने में सबसे ज्यादा है। इससे ओलंपिक के दौरान अस्पतालों में भरौजों की संख्या बढ़ने की आशंका है। टोक्यो में आपातकाल का चौथा दौर लागू है जो सोमवार से शुरू हुआ। ओलंपिक के दौरान रस्त्रों और बार जल्दी बंद होंगे और अलकोहल नहीं परोसी जाएगी। गुरुवार को मिले मामले 21 जनवरी को मिले 1485 मामलों के बाद से सर्वाधिक हैं। जापान में जून से रोजाना मामलों की संख्या बढ़ रही है और विशेषज्ञों का मानना है कि ओलंपिक के दौरान यह संख्या हजारों में पहुंच जाएगी। जापान में अब तक 82800 मामले आ चुके हैं और 15000 मौतें हो चुकी हैं।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड में भारतीय खिलाड़ी के कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि की

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड में टीम इंडिया के एक खिलाड़ी के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने की गुरुवार को पुष्टि की है। सूत्रों के अनुसार, यह खिलाड़ी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं जिनका कुछ दिनों बाद दोबारा टेस्ट होगा। आईएनएस द्वारा टीम में कोरोना के मामले के बारे में पूछे जाने पर बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने खिलाड़ी का नाम बताने से इंकार कर दिया लेकिन इस बात

की पुष्टि की कि एक खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। शुक्ला ने कहा, एक खिलाड़ी पॉजिटिव पाया गया है और उसे आईसोलेशन में रखा गया है। आज आठवां दिन है जब उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। कुछ दिनों बाद उनका दोबारा टेस्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा, वह ब्रेक के दौरान अपने रिश्तेदार के साथ रह रहे थे और वायरस की चपेट में आए। वह टीम के अन्य सदस्यों से दूर थे जिसके कारण टीम प्रभावित नहीं हुई और इन्हें आईसोलेशन में रहने की जरूरत नहीं है। बोर्ड के

उपाध्यक्ष ने पुष्टि करते हुए बताया कि संक्रमित खिलाड़ी अपने रिश्तेदार के यहां आईसोलेशन में हैं और वह डरहम नहीं जाएंगे। पॉजिटिव मामला सामने आने से बीसीसीआई के ब्रेक के दौरान खिलाड़ियों को बाहर जाने की इजाजत देने के फैसले पर सबाल खड़े हुए हैं। पंत ने 29 जून को इंग्लैंड और जर्मनी के बीच यूरो 2020 का प्री काउंटी फाइनल मुकाबला देखा था और उन्होंने दर्शकों के बीच में बैटकर अपने कुछ दोस्तों के साथ फोटो भी टवीट की थी। पंत ने वेब्ले



स्टेडियम की तस्वीर पोस्ट कर लिखा था, इंग्लैंड और जर्मनी का मैच देखना अच्छा अनुभव था। पंत के अलावा हनुमा विहारी और जसप्रीत बुमराह भी यूरो 2020 का मुकाबला देखने के लिए वेब्ले स्टेडियम गए थे। शास्त्री के

मेरा ध्यान केवल टोक्यो ओलंपिक में सफल अभियान पर : रोहिदास

बेंगलूरु : भारतीय हॉकी टीम के डिफेंडर अमित रोहिदास ने कहा कि अब जबकि उनका ओलंपिक खेलों में खेलने का सपना पूरा होने वाला है तब उनका एकमात्र ध्यान टोक्यो खेलों में पदक के साथ वापसी करने पर टिका है। रोहिदास ने हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मुझे यहाँ पहुंचने में 12 वर्ष लगे। मैं ओलंपिक टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूँ। मेरा सबसे बड़ा सपना अब पूरा हो गया है। उन्होंने कहा - मैं अपने प्रत्येक कोच का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने मुझे एक हॉकी खिलाड़ी के रूप में तैयार करने में मदद की। मेरा ध्यान केवल टोक्यो ओलंपिक के सफल अभियान पर टिका है। हाल के सफल दौरों से निश्चित तौर पर टीम का मनोबल बढ़ा है। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने राष्ट्रीय टीम की तरफ से 97 मैच खेले हैं। वह ओडिशा के सुंदरगढ़ में उसी गांव के रहने वाले हैं जहां तीन बार के ओलंपियन और पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप टिकी का जन्म हुआ था। रोहिदास ने कहा कि उन्होंने (दिलीप टिकी) हम कई गांव वालों को हॉकी खेल से जुड़ने के लिये प्रेरित किया। मैं जिस क्षेत्र का रहने वाला हूँ वहां के लिये हॉकी एक खेल ही नहीं सामाजिक आर्थिक विकास का साधन भी है। मैं ओडिशा का पहला गैर आदिवासी हॉकी ओलंपियन हूँ।



अहमदाबाद में पेट्रोल की कीमत शतक के निकट पहुंचा

अहमदाबाद में पेट्रोल की कीमत प्रति लीटर ९८.३ रुपया, डीजल ९६.७६ रुपया प्रति लीटर पर पहुंच गया

अहमदाबाद । एक तरफ कोरोना का डर है तो दूसरी तरफ महंगाई भी लोगों को डरा रही है। देश के कई हिस्सों में पेट्रोल की कीमत प्रति लीटर १०० को पार कर चुकी है तब अहमदाबाद में आंकड़ा १०० के निकट पहुंच गया है। जबकि मुंबई में पेट्रोल की कीमत १०० रुपये को पार करने के बाद १०७ रुपये को पार पहुंच गई है।

डीजल की कीमत में हो रही वृद्धि की असर घर चलाने के बजट पर पड़ रही है। अहमदाबाद में पेट्रोल की कीमत प्रति लीटर ९८.३ रुपया पर पहुंच गया है यानी कि अब आंकड़ा १०० पर पहुंचने में २ रुपये से भी कम का अंतर है। जबकि डीजल की कीमत ९६.७६ रुपया प्रति लीटर पर पहुंच गया है। पेट्रोल-डीजल की कीमत में १५ अप्रैल २०२१ से लगातार

वृद्धि दर्ज हो रही है। पेट्रोल-डीजल की कीमत में तीन महीने के दौरान दर्ज हुई भाव वृद्धि करीब एक समान ही है। अहमदाबाद में १५ अप्रैल से आज की तारीख तक में यानी कि तीन महीने में पेट्रोल की प्रति लीटर कीमत में १२ फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि डीजल में यह वृद्धि ११.३ फीसदी रहा है। मुंबई की बात करे तो यहां भी लगातार पेट्रोल और



डीजल की कीमत में भारी वृद्धि दर्ज हो रही है, जिसमें फिलहाल मुंबई में पेट्रोल की प्रति लीटर कीमत १०७.५४ रुपया हो गया है आज दर्ज हुई वृद्धि के साथ पुराना रिकॉर्ड टूट गया है। शहर में डीजल की प्रति लीटर की कीमत ९७.४५ रुपये के साथ १०० के निकट पहुंच

कॉन्स्टेबल ने पुलिस स्टेशन में किसी वजह से आत्महत्या की

अहमदाबाद । पालडी पुलिस स्टेशन में ड्यूटी करते कॉन्स्टेबल उमेश भाटी ने गुरुवार को सुबह में आत्महत्या करने पर पुलिस कदम उठाया। उनको घायल हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां उनको मृतक घोषित किया गया। उमेश भाटी पिछले पांच वर्ष से पालडी पुलिस स्टेशन में ड्यूटी करते थे। वह अकाउंट राइटर हेड थे

और पुलिस स्टेशन में रहे सभी हथियार उनकी कस्टडी में रहते थे। २००९ में पुलिस फोर्स में भर्ती हुए उमेश भाटी ने किस परिस्थिति में आत्महत्या की यह फिलहाल मालूम नहीं हो सका। उन्होंने कोई सुसाइड नोट छोड़ा है कि नहीं इसकी जांच चालू है। कॉन्स्टेबल ने जिस स्थल पर आत्महत्या की इसकी फोरेंसिक जांच करने के लिए एफएसएल की टीम को भी पुलिस स्टेशन में बुलाया गया। पुलिस कर्मचारी की आत्महत्या की अहमदाबाद में यह कोई पहली घटना नहीं

इसे में क्या उमेश भाटी ने नौकरी से परेशान होकर आत्महत्या की है या इसके पीछे कोई दूसरी वजह है जिम्मेदार है यह जानने के लिए पुलिस भी हाल में प्रयास कर रही है। कॉन्स्टेबल की आत्महत्या के समाचार मिलने पर वरिष्ठ अधिकारी भी पुलिस स्टेशन पहुंच गये। उमेश भाटी के साथ ड्यूटी करते सहकर्मी भी इस

suicide



सूरत भूमि, सूरत। कामदार नेता प्रभुदास दिवे द्वारा गरीब बच्चों को नोटबुक वितरण का कार्यक्रम रखा गया। इस अवसर पर मुख्य मेहमान वार्ड नंबर 24 के भाजपा महामंत्री अशोकभाई पाटिल और उत्तरभारतीय युवा नेता सुनील पांडे उपस्थित थे, कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए लगभग 50 बच्चों को नोटबुक वितरित किया गया।

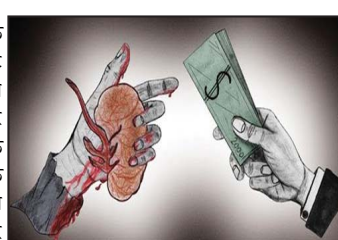
कर्जा चुकाने के लिए कीडनी बेचने निकला युवक ठगा गया

सूरत । कोरोना की वजह से लोगों की आर्थिक परिस्थिति काफी बदतर हो चुकी है। एक तरफ लोगों का धंधा रोजगार छूट गया है दूसरी तरफ लोगों के पर कर्जा भी बढ़ रहा है। लोगों की हालत काफी खराब हो चुकी है सूरत के एक युवक की जिसने कोरोना में धंधा रोजगार गंवाया है लेकिन सिर पर चढ़ा कर्जा उतारने के लिए कीडनी बेचने का विचार करने पर इसे धोखाधड़ी का शिकार होना पड़ा। सूरत के नानपुरा क्षेत्र में रहता एक युवक फॉर व्हील गाड़ी के कमिशन एजेंट के तौर

पर काम करता था। लेकिन कोरोना और लॉकडाउन की वजह से इसका धंधा टप हो गया। बहन की शादी और घर की सभी जिम्मेदारी मिलने पर कर्जा इतना बढ़ गया कि वह मानसिक तनाव में आ गया। जिसमें से बाहर आने के लिए उसने अपनी कीडनी बेचने का विचार किया। गुगल में उसने कीडनी बेचने के लिए अलग-अलग वेबसाइट सर्च किया। जिसमें से एक वेबसाइट पर संपर्क करके उसने कीडनी बेचने के लिए संपर्क किया। जिस पर कीडनी के बदले में इसे चार करोड़ रुपये मिलेंगे ऐसी लुभावनी विज्ञापन दिया

गया। हालांकि इस वेबसाइट के माध्यम से उसने विचार नहीं किया कि वह इस तरीके से धोखाधड़ी का शिकार होगा। जिसकी वजह से उसने यह वेबसाइट के व्यक्तियों को अपनी सभी जानकारी शेयर की। बेंगलुरु के एक अस्पताल का फोटो देकर कीडनी बेचने के लिए इसके पास पहले ९९९९ रुपया रजि स्टेशन फीस लिया गया और इस तरीके से अलग अलग खाते में

१४,७८,४०० रुपया इसके पास से ले लिया गया। शिकायतकर्ता ने इस मामले में वेबसाइट और कंपनी की जानकारी तथा इसके साथ हुई धोखाधड़ी की शिकायत साइबर सेल में दर्ज कराई है। पुलिस ने यह मामले में अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है।



राज्य में बुधवार, रविवार को वैक्सीन नहीं दिया जाएगा



गांधीनगर । लिया गया है। सरकार ने कोरोना की तीसरी लहर को संभावना की चर्चा चल रही है तब इसके बचने के लिए टीकाकरण को सबसे बड़ा हथियार माना जा रहा है। लेकिन गुजरात में कोरोना के केस लगातार कमी देखने को मिलने पर पर राज्य बच्चों का जन्म होता है। सरकार द्वारा एक बड़ा निर्णय यह बच्चों और उनकी मां

बुधवार को बच्चों-मां की वैक्सीन को प्राथमिकता, हेल्थकर्मी को रविवार को छुट्टी देने के लिए टीकाकरण नहीं होगा

को १० गंभीर बीमारियों के खिलाफ सुरक्षा देने के लिए हर बुधवार को ममता दिवस को मनाया जाता है। इस दिन में १० हजार सेंटर में ऐसे बच्चों और उनकी मां को कई बीमारियों की वैक्सीन दी जाती है। नीतिन पटेल ने आगे बताया कि, कोरोना महामारी का संक्रमण बढ़ने की वजह से उस समय में ममता दिवस पर बच्चों और मां को अल्पेस कथीरिया को अल्पेस कथीरिया के लिए टीकाकरण अभियान को दौरान रविवार को भी छुट्टी का लाभ नहीं ले वाले के लिए दी जाती वैक्सीन के साथ-साथ कोरोना की वैक्सीन को प्राथमिकता दी गई थी। लेकिन पिछले कुछ दिनों में कोरोना के केस में कमी देखने को मिली है। राज्य में ३ करोड़ से ज्यादा लोगों को वैक्सीन दी गई है, इसलिए अब सरकार बुधवार को बच्चों और मां की वैक्सीन को प्राथमिकता देने का निर्णय ले रही है। इसके अलावा टीकाकरण अभियान को दौरान रविवार को भी छुट्टी का लाभ नहीं ले वाले हेल्थकर्मीयों को छुट्टी को

भाजपा युवा मोर्चा में गुजरात के पदाधिकारियों को स्थान नहीं मिला

गांधीनगर । भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या की टीम में गुजरात भाजपा युवा मोर्चा के किसी सोनियर को स्थान नहीं मिला। सामान्य रूप से गुजरात भाजपा युवा मोर्चा के किसी एक पदाधिकारी को राष्ट्रीय टीम में स्थान मिलता रहा है। वर्ष २००७ के बाद पहलीबार इस बार गुजरात भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारियों को सोनियरों को शामिल नहीं किया गया है। गुजरात युवा मोर्चा की टीम अभी तक सबसे ज्यादा सक्रिय और मजबूत टीम रही है। जिसमें से प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व खड़ा हुआ है। संगठन के मामले में गुजरात भाजपा

हमेशा आगे रहा है। अब इस बार भाजपा युवा मोर्चा की राष्ट्रीय टीम में गुजरात की उपेक्षा चर्चा का विषय बन गई है। इस बार गुजरात के किसी चेहरे को स्थान मिले ऐसी संभावना ज्यादा थी। क्योंकि अभी अन्य मोर्चों में गुजरात के पदाधिकारियों को महत्व की जिम्मेदारी मिली है और इसके साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी मंत्री बंद गये हैं। वर्ष २००७ में अमित ठाकर भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद लगातार प्रत्येक टर्म में गुजरात के सोनियरों को स्थान मिला है। जिसमें ध्वनि शर्मा, सुरेश वघासिया और हर्ष संघवी भी शामिल हैं। पिछले २ टर्म से हर्ष संघवी राष्ट्रीय

टीम में थे। १ टर्म राष्ट्रीय महामंत्री और १ टर्म राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के तौर पर जिम्मेदारी निभाई थी। इस बार उम्र सीमा की वजह से उनका कार्यकाल पूरा हुआ। इस बार गुजरात से प्रतिनिधित्व के तौर पर वरुण जवेरी शामिल हुए हैं और उन्होंने पॉलिसे और रिसर्च की जिम्मेदारी सौंपी है। जो सीधे तरीके से राजनीतिक पद नहीं है। जिसकी वजह से यह चर्चा हुई है कि इस बार गुजरात भाजपा युवा मोर्चा के किसी पदाधिकारी को राष्ट्रीय टीम में जगह क्यों नहीं मिला। क्या गुजरात भाजपा युवा मोर्चा को राष्ट्रीय स्तर पर योग्य चेहरा नहीं मिला या फिर अन्य कोई २ टर्म से हर्ष संघवी राष्ट्रीय वजह है।

राज्य में गुजकेट की परीक्षा छह अगस्त को ली जाएगी



गांधीनगर । लेने वाले ए, बी और एबी ग्रुप गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा गुजकेट की परीक्षा की तारीख की घोषणा की गई है। छह अगस्त को गुजकेट की परीक्षा ली जाएगी। यह परीक्षा का समय १० से शाम को ४ बजे तक का होगा। कक्षा-१२ विज्ञान प्रवाह के बाद इंजीनियरिंग जैसे कोर्स के लिए गुजकेट अनिवार्य है। गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा डिग्री इंजीनियरिंग, डिग्री/डिप्लोमा फार्मसी कोर्स में प्रवेश

पास नेता अल्पेश कथीरिया जेल से रिहा, हार्दिक पटेल ने सरकार निर्दोषों पर फर्जी केस कर रही है



सूरत। निर्दोष लोगों पर फर्जी केस करने से बाज आना चाहिए। सूरत महानगर पालिका चुनाव के दौरान अल्पेश कथीरियाके खिलाफ रायोटींग का मामला दर्ज किया था। अल्पेश को अगुवाई में 50 से 60 बाइक और कार में आए 150 से 200 जितने लोगों ने बीटीपी कार्यकर्ता द्वारा वीडियो बनाए जाने पर पास कार्यकर्ताओं ने मारुति वैन में बैठे बीटीपी कार्यकर्ता से मारपीट की थी

और जाति विषय शब्दों का उपयोग किया था। साथ ही 3000 रुपए की लूट समेत मारुति वैन के शीशे तोड़ जाने से मारने धमकी दी थी। इस संदर्भ में कामरेज पुलिस थाने में अल्पेश कथीरिया समेत अन्य लोगों के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। जिसके बाद पुलिस ने अल्पेश कथीरिया को गिरफ्तार कर लिया था। गुजरात हाईकोर्ट से सशर्त जमानत मिलने के बाद सूरत के लाजपोर जेल से अल्पेश कथीरिया को आज रिहा कर दिया गया। अल्पेश कथीरिया का स्वागत करने प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रमख हार्दिक पटेल, आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता समेत पाटीदार बड़ी संख्या में लाजपोर जेल के बाहर

सकर बाग प्राणी संग्रहालय में इस वर्ष १४ शेर शावक पैदा हुए

जुनागढ़ । जुनागढ़ के सकर बाग प्राणीसंग्रहालय फिलहाल शेर शावक की शेर से गुंज उठा है। इस वर्ष जून महीने तक में १४ शेर शावक पैदा हुए हैं और फिलहाल सभी सुरक्षित हो सकर बाग प्राणीसंग्रहालय के अधिकारी भी लगातार देखरेख कर रहे हैं, जिसे लेकर सभी नए जन्मे शेर शावक प्राणी संग्रहालय में बड़े हो रहे हैं। जुनागढ़ के सकर बाग प्राणीसंग्रहालय में फिलहाल ७४ शेर हैं। जिसमें २४ नर ३५ मादा और १२ शेर शावक हैं। ज नुगढ़ सकर बाग प्राणीसंग्रहालय में पिछले पांच वर्ष में ५० नए शेर शावक का जन्म हुआ है जो एक प्राणीसंग्रहालय के लिए गर्व की बात है। सकर बाग प्राणीसंग्रहालय देश का एक सिर्फ ब्रीडिंग सेंटर है जहां एशियाटिक शेरों का ब्रीडिंग किया जाता है।

जुनागढ़ के इस प्राणीसंग्रहालय में गत वर्ष में रिकॉर्ड तोड़ २४ शेर शावक का जन्म हुआ था। इस वर्ष में १४ शेर शावक पैदा हुए हैं और वर्ष के अंत में आंकड़ा बढ़ने की संभावना है। प्राणीसंग्रहालय के वेटरनरी डॉक्टर द्वारा गर्भवती शेरिनियों का लगातार निगरानी की जाती है। इसके साथ शेरनी भी अपने तरीके से अकेली हो जाती है यह ध्यान में आने पर प्राणी संग्रहालय द्वारा इसे आइसोलेशन कर दिया जाता है और इसका खुराक और दवाई का पर्याप्त ध्यान रखा जाता है। जिसे लेकर वह आसानी से बच्चे को जन्म दे सकती है। एशियाटिक शेरों का एक सिर्फ ब्रीडिंग सेंटर जुनागढ़ का सकर बाग प्राणीसंग्रहालय है। यहां से एनिलम एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत ८० शेरों को देश विदेश के जू में दिया गया है और वहां से दूसरे पशु-पक्षी यहां लाया गया है। यहां जो जीन बुल है इसमें दूसरे प्राणियों के लिए ब्रीडिंग प्रोग्राम चलता है यहां जन्म लेने वाली शेरनी ज 'गल में नहीं छोड़ा जाता है। यहां की डिसप्ले या दूसरे प्राणीसंग्रहालय में शेरों को भेजा जाता है।